खबर जो सत्य उगले...

प्रचण्ड समय

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

संपादक - अश्वनी वर्मा
70180-86211
prachandsamay.com

वर्ष-5, अंक-135, पृष्ठ-8, मूल्य- 6 रुपए

आरएनआई नंबर- एचपीएचआईएन/2019/79889

हिमाचल का सबसे तेज बढ़ता अखबार

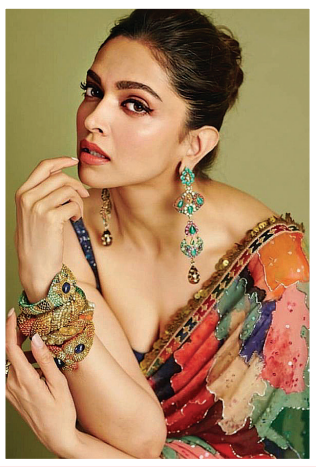

सुविचार

"अच्छे काम करते रहिए, चाहे लोग तारीफ करें या ना करें, आधी से ज्यादा दुनिया सोती रहती है, तब भी सूरज निकलता है।"

दीपिका ने फिर... पेज-8

प्रदेश भर में बारिश-तूफान ने मचाई तबाही... पेज-6

शिमला, रविवार, 21 अप्रैल, 2024

पार्टी से दगा करने वाला कोई भी नेता अब कभी जीत नही पायेगा: मुख्यमंत्री

प्रचण्ड समय . शिमला

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि प्रदेश में भ्रष्टाचारी नेताओं को बेनकाब कर सबक सिखाने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से भाजपा ने एक षड्यंत्र रच कर प्रदेश की कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने का असफल प्रयास किया है उससे इसका असली चेहरा देश व प्रदेश के सामने आ चुका है। उन्होंने कहा कि पार्टी से दगा करने वाला कोई भी नेता अब कभी जीत नही पायेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की चारों लोकसभा व छह विधानसभा उप चुनावों में भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने इसके लिये पार्टी के सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर चुनाव मैदान में उतरने को कहा।

आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में शिमला संसदीय क्षेत्र के पार्टी पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मण्डी व शिमला संसदीय क्षेत्र में इस बार पार्टी ने दो नए अनुभवी व ऊर्जावान नेताओं को चुनाव मैदान में उतारा है। उन्होंने कहा कि जल्द ही शेष दो संसदीय क्षेत्रों के लिये भी पार्टी अपने चेहरों का एलान कर देगी।

सुक्खू ने कहा कि उन्होंने हमेशा चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को धनबल से नही लूटने देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास जनबल है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने प्रदेश में धनबल से सरकार को अस्थिर करने का जो असफल प्रयास किया अब उसे इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाना उनका प्रमुख लक्ष्य है और इसे वह हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि विकट आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद उनकी सरकार ने कर्मचारियों की ओल्ड पेंशन बहाल कर अपनी पहली गारंटी पूरी की। इसके बाद महिलाओं को 1500 रुपए की प्यारी बहना सम्मान निधि भी जारी कर दी गई है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा के साथ साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी कांग्रेस सरकार सुदृढ़ करने के प्रति बचनबद्ध है। उन्होंने कहा कि आपदा के समय जिस प्रकार सरकार ने राहत कार्यों को अंजाम दिया उसे प्रदेश के लोग भूले नही है। उन्होंने कहा कि सभी पार्टी नेता,पदाधिकारी कार्यकर्ताओं के साथ पूरे तालमेल से चुनाव मैदान में डट जाए और प्रदेश सरकार की 15 महीने की उपलब्धियों व जनहित के कार्यो पर वोट मांगे।

शिमला संसदीय क्षेत्र के प्रभारी शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि इस संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस बहुत ही मजबूत स्थिति में है। उन्होंने कहा कि इस संसदीय क्षेत्र से तीन मुख्यमंत्री डॉक्टर यशवंत सिंह परमार,ठाकुर रामलाल व वीरभद्र सिंह रहें हैं। उन्होंने कहा कि पिछली बार भले ही हम पिछड़ गए थे पर इस बार ऐसा नही होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस सीट को भारी बहुमत से जीतेगी। उन्होंने कहा कि जनमत कांग्रेस के पास है और धनबल की हार होगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने बैठक को सम्बोधित करते हुए सभी पदाधिकारियों से एकजुट होकर कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि शिमला संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस बहुत ही मजबूत स्थिति में है और इसी मजबूती के साथ चुनाव मैदान में उतरना है। उन्होंने सभी नेताओं व पदाधिकारियो से भाजपा के किसी भी दुष्प्रचार का मुंह तोड़ जवाब देने का आह्वान करते हुए दावा किया कि प्रदेश की चारों लोकसभा सीटो के साथ साथ छह विधानसभा उप चुनावों में जीत हासिल करेंगी।

शिमला संसदीय क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी विनोद सुल्तानपुरी ने पार्टी आलाकमान,प्रदेश के मुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व अन्य सभी नेताओं का उन्हें पार्टी प्रत्याशी बनाये जाने के लिये आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें बहुत बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने कहा कि उन्हें विधायक के तौर पर 13 माह का कार्यकाल ही मिला पर मुख्यमंत्री के आशीर्वाद से उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र में 95 करोड से अधिक के विकास कार्य पूरे किए है। उन्होंने मेरा परिवार शिमला संसदीय क्षेत्र का ऋणी है क्योंकि एक लंबे समय तक उनके पिताश्री कृष्ण दत्त सुल्तानपुरी ने इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि सांसद के तौर पर अगर वह चुने जाते है तो वह भी इस क्षेत्र के विकास और समस्याओं को दूर करने के लिये बचनबद्ध रहेंगे।

इससे पूर्व हर्षबर्धन चौहान, डॉक्टर कर्नल धनीराम शांडिल,कुलदीप सिंह राठौर,विक्रमादित्य सिंह,विनय कुमार,संजय अवस्थी,निगम भंडारी,जैनब चंदेल,अतुल शर्मा के अतिरिक्त जिला व ब्लॉक अध्यक्षों ने भी बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में कांग्रेस मजबूत व एकजुट है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चारों लोकसभा व छह उप चुनावों में अपनी जीत का परचम लहरायेगी।

हिमाचल के राज्यसभा चुनाव नतीजे को चुनौती देने वाली याचिका पर हाईकोर्ट का भाजपा सांसद हर्ष महाजन को नोटिस

प्रचण्ड समय . शिमला

राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के छह विधायकों और तीन निर्दलीयों ने की थी क्रॉस वोटिंग

हिमाचल प्रदेश में फरवरी महीने में राज्यसभा की एक सीट के लिए हुए चुनाव में भाजपा उम्मीदवार हर्ष महाजन की जीत का मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है। राज्यसभा चुनाव में हार का सामना करने वाले कांग्रेस उम्मीदवार अभिषेक मनु सिंघवी ने हर्ष महाजन के निर्वाचन को चुनौती देते हुए याचिका दायर की है। याचिका में राज्यसभा चुनाव के नियमों की धारणा को भी चुनौती दी गई है।

हाईकोर्ट ने शनिवार को मामले की सुनवाई करते हुए भाजपा सांसद हर्ष महाजन को नोटिस जारी कर दिया है। मामले की अगली सुनवाई 23 मई को निर्धारित हुई है।

याचिकाकर्ता पक्ष के वकील नीरज गुप्ता ने बताया कि कांग्रेस के राज्यसभा चुनाव में उम्मीदवार रहे अभिषेक मनु सिंघवी की याचिका पर हाईकोर्ट में आज जस्टिस अजय मोहन गोयल की कोर्ट में सुनवाई हुई है।

याचिकाकर्ता पक्ष की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने राज्यसभा चुनाव में जीत हासिल कर सांसद बने एवं प्रतिवादी बनाए गए हर्ष महाजन को नोटिस जारी किया है। उन्होंने बताया कि अब इस मामले में अगली सुनवाई 23 को होगी।

क्या है मामला

बता दें कि अभिषेक मनु सिंघवी 27 फरवरी को हुए राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार थे। इस चुनाव में भाजपा-कांग्रेस के उम्मीदवार को बराबर मत पड़े थे। इसके बाद पर्ची से भाजपा के हर्ष महाजन विजेता बने और अभिषेक मनु सिंघवी की हार हुई थी।

हार के 40 दिन बाद अभिषेक मनु सिंघवी हिमाचल हाईकोर्ट पहुंचे और हर्ष महाजन के निर्वाचन को चुनौती देते हुए याचिका दाखिल की। अभिषेक मनु सिंघवी के मुताबिक राज्यसभा चुनाव के दौरान एक समान मत पड़ने पर पर्ची जिस उम्मीदवार की निकलती है उसे हारा हुआ करार देना, यह धारणा कानूनी रूप से गलत है। आम तौर पर जिसका नाम निकलता है उसे जीतना चाहिए। ऐसे में अगर यह धारणा गलत है तो चुनाव परिणाम भी गलत है। कानून में ऐसा कोई नियम नहीं, इसलिए नियम की एक धारणा को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है।

हिमाचल प्रदेश में राज्यसभा चुनाव 27 फरवरी को हुआ था। उस दौरान नौ विधायकों की क्रॉस वोटिंग की वजह से यह सीट भाजपा के खाते में चली गई। भाजपा के उम्मीदवार हर्ष महाजन ने कांग्रेस के दिग्गज नेता अभिषेक मनु सिंघवी को पराजित किया। 68 सदस्यीय हिमाचल विधानसभा में कांग्रेस के विधायकों की संख्या 40 होने के कारण कांग्रेस उम्मीदवार की जीत निश्चित थी। लेकिन कांग्रेस के छह विधायकों औऱ तीन निर्दलीय विधायकों ने भाजपा उम्मीदवार हर्ष महाजन को वोट किया और दोनों दलों के उम्मीदवारों को 34-34 वोट मिलने पर मामला अटक गया था। टाई होने के बाद ड्रा ऑफ लोटस से नाम निकाला गया जिसमें भाजपा के हर्ष महाजन को विजयी घोषित किया गया। निर्वाचन आयोग ने इस चुनाव में भाजपा उम्मीदवार हर्ष महाजन को विजयी घोषित किया।

दिग्गज कांग्रेस नेता गंगूराम मुसाफिर की डेढ़ साल बाद घर वापसी

प्रचण्ड समय . शिमला

हिमाचल प्रदेश में लोकसभा चुनाव के बीच दिग्गज कांग्रेस नेता गंगूराम मुसाफिर की डेढ़ वर्ष बाद पार्टी में घर वापसी हुई है।

गंगू राम मुसाफिर ने साल 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से बगावत कर पच्छाद विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा था। मुसाफिर के चुनाव लड़ने की वजह से कांग्रेस की उम्मीदवार दयाल प्यारी बीजेपी की रीना कश्यप से चुनाव हार गई थी। ऐसे में कांग्रेस ने गंगूराम मुसाफिर को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया था।

गंगूराम मुसाफिर ने शनिवार को शिमला स्थित राजीव भवन पहुंचकर पूरे दलबल के साथ कांग्रेस में वापसी की। इस दौरान हिमाचल कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष संजय अवस्थी और हिमाचल विधानसभा उपाध्यक्ष विनय कुमार भी मौजूद रहे।

बता दें कि गंगूराम मुसाफिर 1982 में पहली बार निर्दलीय विधायक बने थे। इसके बाद उन्होंने कांग्रेस की टिकट पर लगातार छह बार पच्छाद सीट से जीत हासिल की। मुसाफिर 1982 के बाद 1985, 1990, 1993, 1998, 2003 और 2007 में लगातार विधानसभा पहुंचे हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले गंगूराम मुसाफिर की वापसी बेहद अहम है। उनके पार्टी में वापस आने के चलते कांग्रेस को शिमला संसदीय क्षेत्र में मजबूती मिलेगी। आने वाले दिनों में कुछ अन्य निष्कासित लोगों की कांग्रेस में वापसी होगी जिसने पार्टी को लोकसभा चुनाव में मजबूती मिलेगी।

प्रतिभा सिंह ने कहा कि कांग्रेस पूरी मजबूती के साथ लोकसभा का चुनाव लड़ेगी। शिमला संसदीय क्षेत्र को भी कांग्रेस भारी बहुमत के साथ जीतेगी। गंगूराम मुसाफिर जिला सिरमौर के तहत आने वाली पच्छाद विधानसभा क्षेत्र से विधायक और विधान सभा के अध्यक्ष भी रहे हैं।

बहुत बड़ी साजिश का शिकार हुए विक्रमादित्य सिंह: नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर

प्रचण्ड समय . मंडी

पूर्व मुख्यमंत्री एवम नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत के लिए नाचन के चैलचौक और बल्ह के रिवालसर में रोड शो के बाद जनसभा में कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से हमलावर हुए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार है ही नहीं। ये गिर चुकी है , मुख्यमंत्री को कोई नैतिक अधिकार कुर्सी पर बैठने कर नहीं रह गया है। अपने ही विधायकों को उन्होंने चुन चुन कर प्रताड़ित किया। उन्हें समझ लेना चाहिए कि देश और प्रदेश की जनता भाजपा के साथ चलना चाहती है। आपने झूठ बोलकर सत्ता हथियाई है। यही जनता आपको अब सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएगी। उन्होंने कहा कि पूरा देश कह रहा है कि अबकी बार आयेंगे तो मोदी ही लेकिन कांग्रेस अध्यक्षा और निवर्तमान सांसद प्रतिभा सिंह के बार बार मना करने के बावजूद पीडब्ल्यूडी मंत्री चुनाव लडने को तैयार हो गए हैं। उन्हें इस पर विचार कर लेना चाहिए क्योंकि कांग्रेस कार्यकर्ता ही कह रहे हैं कि ये साजिश का शिकार हुए हैं। उन्होंने नाचन के चैलचौक में भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत के लिए रोड शो के बाद विशाल चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हिमाचल कांग्रेस नेता एक दूसरे को धक्का देने की कोशिश में लगे हुए हैं। पता नहीं क्या मजबूरी होगी कि इसी मंडी सीट से सांसद रही मां पहले जब इंकार कर चुकी है तो बेटा मंत्री पद छोड़कर दिल्ली जाने को बेकरार है। उन्होंने कहा कि ये मैं नहीं कह रहा ये इनके ही लोग बोलने लगे हैं कि मित्रों ने इनको आगे कर बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा कि मैं विक्रमादित्य सिंह के प्रत्याशी बनने का स्वागत करता हूं वे आएं और चुनाव लड़ें। वे शिमला से उठकर मंडी आ रहे हैं जबकि हमारी प्रत्याशी मंडी की ही हैं।

इस मौके पर पूर्व सीएम एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि कंगना रनौत ने ठीक सवाल विक्रमादित्य सिंह से उठाया है और अब वे मंडी संसदीय क्षेत्र के लोगों की डाकिया बनकर ही काम करेंगी। कांग्रेस प्रत्याशी सोशल मीडिया पर तो बड़ी-बड़ी बातें करते हैं लेकिन जब हकीकत में काम करने की बारी आती है तो कहते हैं कि वे कोई डाकिया नहीं है। उन्होंने डाकिये और प्रदेश के लोगों का अपमान किया है जिसका खामियाजा उन्हें भुगतना पडेगा।

जयराम ठाकुर ने कहा कि आपदा के बाद केंद्र सरकार ने प्रदेश को जमकर मदद भेजी। आज प्रदेश में जो भी सडकें बन रही हैं वो केंद्र सरकार द्वारा नाबार्ड के तहत दी गई धनराशि से ही बन रही हैं। आज भी प्रदेश सरकार को जो भी मदद मिल रही है वो भी केंद्र सरकार की ही देन है। प्रदेश सरकार के पास तो इतना भी सामर्थ्य नहीं कि वे बरसात के कारण सड़कों पर गिरे मलबे को भी हटा सके। आज भी बहुत सी सड़कों पर बरसात का मलबा वैसे ही गिरा हुआ है और विक्रमादित्य सिंह बातें नई सड़कें बनाने की कर रहे हैं। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि अभी भी वे शिमला बैठकर लाइव कर रहे होंगे और सवाल हमारी प्रत्याशी के बाहरी होने पर उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कंगना रनौत हिमाचल की बेटी है जिसने फिल्म जगत में अपनी मेहनत से नाम कमाया है। कुछ लोगों की गलत फहमी को भी दूर करने का वक्त आ गया है। वे नहीं चाहते कि दूसरा कोई यहां से जीत जाए। ये लोकतंत्र है कोई भी कहीं से भी चुनाव लड़ सकता है। सांसद मंडी की है और कहां बैठती है इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता लेकिन जो सवाल उठा रहे हैं उनको जवाब देने का मौका आया है कि आपने मंडी के लिए क्या किया। शिवधाम का काम क्यों रोका, क्यों प्रदेश की दूसरी यूनिवर्सिटी का दायरा घटाकर उसको बंद करने की साजिश हो रही है। सांसद प्रतिभा सिंह और पीडब्ल्यूडी मंत्री ने तब क्यों नहीं आवाज उठाई। आज शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र छोड़कर मंडी से चुनाव लडने चले आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब सुक्खू सरकार ने सैंकड़ों संस्थान मंडी संसदीय क्षेत्र के बंद किए तो तब क्यों नहीं आवाज उठाई और क्या कारण रहे कि आपको इस सरकार के खिलाफ़ रोते हुए प्रेस कांफ्रेंस करनी पड़ी और क्या कारण रहे कि आपको फिर उन्हीं की हां में हां मिलाते हुए मां के न करने के बाबजूद चुनाव लडना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हिमाचल की जनता भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार सत्ता सौंपने की ठान चुकी है और कांग्रेस के झूठे वायदों में नहीं आने वाली है। अब जब चुनाव शुरू हो चुके हैं तो महिलाओं के लिए 1500-1500 देने के फार्म भरने के लिए इतनी छटपटाहट क्यों हो रही है। जनता समझ चुकी है कि ये सिर्फ़ वोट हासिल करने के लिए फार्म भरने को कह रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ..

कांग्रेस प्रत्याशी सामने आने पर जाटलेंड के मुकाबलों की तस्वीर साफ होगी

प्रचण्ड समय

राजेंद्र सिंह जादौन, चंडीगढ़ . हरियाणा के रोहतक और सोनीपत लोकसभा क्षेत्र प्रदेश के क्षेत्रीय लहजे में जाटलैंड कहे जाते है।लोकसभा चुनाव के लहजे में बात करे तो इस बार दोनो प्रमुख दावेदार भाजपा और कांग्रेस की राह आसान नहीं है। सोनीपत और रोहतक लोकसभा सीट जीतने के लिए भाजपा पर दबाव है जबकि कांग्रेस के सामने अस्तित्व की लड़ाई है। कांग्रेस पिछली हार का बदला लेने को आतुर है।कांग्रेस प्रत्याशियों की घोषणा से भी तस्वीर साफ होगी कि मुकाबला कैसा रहने वाला है। इसलिए सोनीपत और रोहतक लोकसभा सीट पर पूरे राज्य की नजरें हैं। दोनों ही सीट पर भाजपा और कांग्रेस के बीच रोचक और कांटे का मुकाबला देखने को मिल सकता है। सोनीपत और रोहतक कांग्रेस का गढ़ रहा है। रोहतक में कांग्रेस 18 में से 11 बार जीती है। पिछले चुनाव में भाजपा ने दोनों सीटों पर कब्जा किया था। हरियाणा की दस में से इन्हीं दो ऐसी सीटों पर कांग्रेस को कम अंतर से हार मिली थी। ऐसे में कांग्रेस को इन दोनों सीटों से ही उम्मीद है। सोनीपत में कांग्रेस के उम्मीदवार व राज्य के पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा को भाजपा सांसद रमेश कौशिक ने करीब एक लाख 64 हजार वोटों से हराया था। वहीं, रोहतक में भाजपा सांसद अरविंद शर्मा ने कांग्रेस के उम्मीदवार दीपेंद्र हुड्डा को मात्र साढ़े सात हजार वोटों से पटखनी दी थी। सोनीपत और रोहतक में भूपेंद्र हुड्डा परिवार का अच्छा प्रभाव माना जाता है। हुड्डा परिवार पिछली हार का बदला लेने के लिए इस बार पूरा जोर लगा रखा है। पीएम मोदी के 400 पार के नारे की वजह से हरियाणा भाजपा पर राज्य की दसों सीट पर कमल खिलाने का दबाव है। दोनों लोकसभा क्षेत्र की 18 विधानसभा सीटों में 12 पर कांग्रेस का कब्जा और भाजपा का सिर्फ चार सीटों पर है। सोनीपत लोकसभा सीट पर पिछले तीन चुनावों में भाजपा का वोट बैंक बढ़ा है। इसके बावजूद पार्टी की राह इतनी आसान नहीं है। भाजपा के उम्मीदवार मोहन लाल बड़ौली राई विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। साल 2019 में उन्होंने विधानसभा चुनाव मात्र 2662 वोट से जीता था। पिछले लोकसभा चुनावों में मिले वोट और पीएम मोदी के चेहरे के सहारे वह मैदान में हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा को 52 फीसदी वोट मिले, वहीं, कांग्रेस उम्मीदवार को 37 फीसदी से वोट मिले। हालांकि 5 महीने बाद हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस दोनों का वोट बैंक खिसका, मगर ज्यादा नुकसान भाजपा को हुआ। इस सीट के अधीन आते नौ विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस को 33.4 फीसदी वोट मिले जबकि भाजपा को 35 फीसदी। भाजपा ने तीन, कांग्रेस ने पांच और जजपा ने एक सीट जीती। हालांकि 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 27.4 और भाजपा को 35.3 वोट मिले। इन चुनावों के बाद जब विधानसभा चुनाव हुए तो कांग्रेस का वोट शेयर बढ़ा और भाजपा का कम हुआ। पिछले दो ट्रेंड से पता लगता है कि लोकसभा चुनाव में भाजपा का वोट शेयर बढ़ता है, मगर विधानसभा चुनाव में कम हो जाता है। 2019 के चुनाव में भाजपा ने सात विधानसभा में बढ़त ली, जबकि दो विधानसभा क्षेत्र खरखौदा और बरोदा से कांग्रेस आगे रही। जिन सात विधानसभा सीट पर भाजपा आगे थी, उनमें जींद जिले की तीन सीटें सफीदों, जींद और जुलाना शामिल हैं। विधानसभा चुनाव में इन तीन सीटों पर जींद से भाजपा, सफीदों से कांग्रेस और जुलाना से जजपा ने जीत हासिल की। हालांकि जींद जिले में प्रभाव रखने वाले चौधरी बीरेंद्र सिंह इस बार कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। ऐसे में बीरेंद्र सिंह इन सीटों पर असर डाल सकते हैं। कांग्रेस के उम्मीदवार पर भी बहुत कुछ निर्भर करेगा। रोहतक को हरियाणा की राजनीतिक राजधानी कहा जाता है। पिछले लोकसभा चुनाव में रोहतक में भाजपा उम्मीदवार अरविंद शर्मा को 47 फीसदी और कांग्रेस उम्मीदवार दीपेंद्र हुड्डा को 46.4 फीसदी वोट मिले। दोनों के बीच कांटे की टक्कर हुई। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि लोकसभा चुनाव में इतना कम अंतर खास मायने नहीं रखता। रोहतक लोकसभा में नौ विधानसभा सीटें हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने रोहतक, कलानौर, बहादुरगढ़ और कोसली विधानसभा क्षेत्र में बढ़त ली थी। वहीं, कांग्रेस महम, गढ़ी सांपला-किलोई, बादली, झज्जर और बेरी में आगे रही। दीपेंद्र कोसली से 75 हजार वोट से पिछड़ गए थे। दीपेंद्र को 42,845 वोट मिले और अरविंद शर्मा को 1,17,825 वोट मिले। कोसली अहीरवाल बेल्ट से लगती है, जिस पर भाजपा नेता राव इंद्रजीत का प्रभाव है। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने सात सीटें जीतीं। बाकी दोनों में से एक पर भाजपा व एक निर्दलीय जीता। बीते पांच साल में भाजपा ने हुड्डा के गढ़ में सेंध लगाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। पूर्व सीएम मनोहर लाल रोहतक में सक्रिय रहे हैं। सीएम रहते वह लगातार रोहतक का दौरा करते रहे। साथ ही कई लोगों को भाजपा में शामिल कराया। इनमें पूर्व मंत्री कृष्णमूर्ति हुड्डा भी शामिल हैं। दूसरी तरफ कांग्रेस पिछली हार से सबक लेते हुए छोटी-छोटी बैठकें कर गैर जाट वोटों को अपनी ओर खींचने में जुटी है।

कार्यकर्ताओं व लोगों का जोश उमंग और जनून देखकर लगता है चुनावों में एक जनसैलाव आएगा :-डॉ राजीव भारद्वाज

बेबाक़ शर्मा रघुनाथ . जसूर

कांगड़ा-चम्बा लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी डॉ राजीव भारद्वाज ने नूरपुर विधानसभा में लगातार पांच नुक्कड़ सभाओं को संबोधित करके अपने चुनाव प्रचार अभियान को गति प्रदान की व लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा पिछले 10 सालों के किये काम बतलाए। डॉ भारद्वाज के प्रत्याशी घोषित होने के पहले ही दिन से उनके साथ सारथी की भूमिका में चल रहे ज्वाली के पूर्व विधायक ठाकुर अर्जुन सिंह के साथ आज नूरपुर के विधायक रणवीर सिंह निक्का भी उनके साथ लोगों से डॉ भारद्वाज व भाजपा के लिए वोट अपील करते रहे।

बहीं आघार पंचायत के रोड गांव में जनसभा के दौरान नुरपुर से पूर्व बनमंत्री राकेश पठानिया के खासमखास समर्थक व सहयोगी जे.डी. ठाकुर ने भी अपने समर्थकों के साथ लोकसभा प्रत्याशी डॉ राजीव भारद्वाज का बड़ी गर्मजोशी से स्वागत किया।

भारद्वाज ने कहा कि कांगड़ा-चम्बा लोकसभा की लगभग सभी विधानसभाओं में एक बार कार्यकर्ताओं के साथ मिल आया हूँ और जो अपार समर्थन उन्हें मिल रहा है वह भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत का ही नतीजा है।

उन्होंने कहा कि सुबह से जिस तरह से नुक्कड़ सभाओं में अपार जनमानस उमड़कर आ रहा है व जो जोश और उमंग कार्यकर्ताओं के चेहरे पर देखने को मिल रहा है उसके आधार पर मैं कह सकता हूँ कि सभी सारे राजनीतिक विशेषज्ञ नूरपुर की नूरपुर विधान सभा क्षेत्र से समर्थन का एक ऐसा जनसैलाब आयेगा की सारे राजनीतिक पंडित, बढ़त देखकर दांतो तले अंगुली दबा लेंगे।

प्रचण्ड समय

पिछले दो सालों से बंद पड़ी पठानकोट जोगिन्दरनगर नैरोगेज रेल लाइन, ब्राडगेज लाइन की संभावना व पोंगबान्ध झील में पर्यटन की चिरपरिचित मांग के सवाल पर डॉ राजीव भारद्वाज ने कहा कि को नैरोगेज रेल लाइन हमारे कांगड़ा क्षेत्र के काफी गॉवों के लिए यातायात की लाइफलाइन है।

परन्तु प्रदेश में अप्रत्याशित आई भीषण बाढ़ व भूस्खलन से पहले एक तो चक्की रेलब्रिज व गुलेर कांगड़ा के बीच पहाड़ी खिसकने से रेल ट्रैक बंद है।

चक्की ब्रिज निर्माण का काम जोरशोर चल रहा है और बाकी ट्रैक को भी जल्द ही खुलवाया जाएगा व केंद्रीय मंत्रियों व रेलवे के बड़े अधिकारियों से बैठकर रेलवे ट्रैक को बड़ा करने पर भी मन्त्रणा की जाएगी।

आगे उन्होंने बताया कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पौंग बांध झील को केरल की तर्ज पर नोका विहार के लिए प्रोजेक्ट बनाया जाएगा जिस से हिमाचल में सैलानियो की संख्या में बढ़ोतरी होगी।

उनके साथ चल रहे नूरपुर के विधायक ठाकुर रणवीर सिंह निक्का की चुनावों को लेकर उनकी परिक्रिया जाननी चाही तो उन्होंने कहा कि मोदी जी द्वारा किये गए कामों को देखते हुए और सबसे बड़े सनातन धर्म की आस्था के प्रतीक भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर निर्माण जैसे काम को देखते हुए इस बार लोग चालीस हजार की बढ़त सिर्फ नूरपुर से ही दिलाएंगे।

क्या पार्लियामेंटरी बोर्ड ने जयराम को ओपीएस पर फ़ैसला करने को अधिकृत किया: चंद्रशेखर

प्रचण्ड समय . शिमला

हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष एवं विधायक चंद्रशेखर ने कहा है कि पुरानी पेंशन स्कीम मामले में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर पर फ़िल्मी संगत की रंगत चढ़ गई है और वह तथ्य भी भूल गए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में वर्तमान कांग्रेस सरकार ने कर्मचारियों की पुरानी मांग को पूरा करते हुए पहली ही कैबिनेट बैठक में पुरानी पेंशन स्कीम को बहाल की और हिमाचल प्रदेश अपने मूल स्वरूप में पुरानी पेंशन को बहाल करने वाले देश का पहला राज्य बना। जबकि अब नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर कर्मचारियों को गुमराह करने

के लिए तथ्यहीन बातें कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की प्रत्याशी कांग्रेस सरकार द्वारा बहाल की गई पुरानी पेंशन स्कीम के वजूद को ही नकार रही हैं और बार-बार यह कह रही हैं कि कांग्रेस ने तो ओपीएस दी ही नहीं। जबकि राज्य सरकार ने मंडी जिला के एक हजार से अधिक रिटायर्ड कर्मचारियों को पुरानी पेंशन का लाभ दे दिया है और जिला में काम कर रहे 22 हजार से अधिक कर्मचारियों को ओपीएस के दायरे में लाकर उनका भविष्य सुरक्षित किया है। इसलिए वह अपने तथ्य भी ठीक करें और भाजपा प्रत्याशी का ज्ञानवर्धन भी करें।

चंद्रशेखर ने कहा कि जयराम ठाकुर स्पष्ट करें कि क्या भाजपा ने अपनी राष्ट्रीय नीति में बदलाव करते हुए पुरानी पेंशन स्कीम को देश भर में लागू करने का फ़ैसला कर लिया है। क्या भाजपा पार्लियामेंटरी बोर्ड से जयराम ठाकुर को पुरानी पेंशन पर फ़ैसला करने की शक्ति दे दी है। अगर पुरानी पेंशन को लागू करने का फ़ैसला भाजपा का है, तो राजस्थान में भाजपा की सरकार बनते ही कांग्रेस सरकार के समय दी गई पुरानी पेंशन को दोबारा बंद क्यों कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जब पिछली भाजपा सरकार के समय कर्मचारी पुरानी पेंशन की माँग कर रहे थे तो मुख्यमंत्री रहते हुए जयराम ठाकुर ने कर्मचारियों को एक बार भी बातचीत के लिए नहीं बुलाया। बल्कि आंदोलन करने पर कर्मचारियों को पुलिस से पिटवाया गया, उन पर पानी की बौछारें चलाई गई और उनकी मज़ाक़ बनाया गया। कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि पुरानी पेंशन माँगने पर कर्मचारियों को चुनाव लड़ने की चुनौती दी गई। हिमाचल प्रदेश के सरकारी कर्मचारी जयराम ठाकुर की उन अपमानजनक बातों को भूले नहीं हैं।

चंद्रशेखर ने कहा कि जो काम पूर्व की भाजपा सरकार नहीं कर पाई, वह काम वर्तमान राज्य सरकार ने अपनी पहली ही कैबिनेट बैठक में किया। पुरानी पेंशन बहाल न कर पाना जयराम ठाकुर की व्यक्तिगत नैतिक हार है और अब वह कर्मचारी वर्ग को भ्रमित करने के लिए तथ्यहीन बयान दे रहे हैं।

प्रदेश कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश का कर्मचारी वर्ग भूला नहीं कि वर्ष 2002 में भाजपा सरकार के कार्यकाल में राष्ट्रीय नीति के तहत ही पुरानी पेंशन स्कीम को बंद कर न्यू पेंशन स्कीम लागू की थी। भाजपा ने कर्मचारियों से पेंशन ही नहीं छीनी थी, बल्कि उनका आत्मसम्मान और स्वाभिमान भी छीन लिया था और बुढ़ापे में उन्हें दर-दर की ठोकरें खाने को बेहाल छोड़ दिया था। उन्होंने कहा कि जब आम परिवार से निकलकर मुख्यमंत्री की कुर्सी तक ठाकुर सुखविंदर सिंह पहुँचे तो उन्होंने कर्मचारियों की पीड़ा को समझा और बिना किसी राजनीतिक स्वार्थ के पुरानी पेंशन बहाल की। एनपीएस में जिन कर्मचारियों को पहले 2500 रुपए पेंशन मिल रही थी, उन्हें पुरानी पेंशन लागू होने से आज 25 हजार रुपए तक पेंशन मिल रही है।

1500 रुपए पेंशन रुकवाने बार-बार चुनाव आयोग क्यों जा रही भाजपा: जैनब

प्रचण्ड समय . शिमला

हिमाचल प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष जैनब चंदेल ने भाजपा पर महिला विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा महिलाओं का सशक्तिकरण बर्दाश्त नहीं पा रही है, इसलिए महिलाओं को 1500 रुपए पेंशन प्रदान करने में अड़ंगे लगा रही है और बार-बार चुनाव आयोग के पास जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने अपने चुनावी गारंटी को पूरा करते हुए महिलाओं को हर महीने 1500 रुपए पेंशन प्रदान करने के लिए इंदिरा गांधी प्यारी बहना

सुख सम्मान निधि आरंभ की है। लेकिन पहले से जारी एक योजना को भाजपा नेता चुनाव आचार संहिता की आड़ में रुकवाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सिर्फ महिला हितैषी होने का ढोंग रचती है, जबकि विपक्षी दल पूरी तरह से महिला शक्ति का विरोधी है। भाजपा चुनावों में वोट लेने के अलावा महिलाओं के लिए कुछ नहीं करती। जैनब चंदेल ने कहा कि भाजपा 1500 रुपये पेंशन रुकवाने का जितना मर्जी विरोध कर ले, लेकिन यह राशि अप्रैल 2024 से महिलाओं को मिलकर रहेगी। लाहौल व स्पीति जिला की लाभार्थी महिलाओं को 1500 रुपए पेंशन दी जा रही है और प्रदेश के अन्य जिलों की महिलाओं को भी पहली अप्रैल 2024 से इस योजना का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने कैबिनेट बैठक में योजना को पूरे प्रदेश में लागू करने के लिए 800 करोड़ रुपये का बजट भी मंजूर किया है तथा योजना को पहली अप्रैल से लागू करने की अधिसूचना तक जारी हो चुकी है। बावजूद इसके भाजपा बार-बार चुनाव आयोग पहुंचकर योजना पर रोक लगवाने की मांग कर रही है, जो उनके महिला विरोधी होने का स्पष्ट प्रमाण है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं की असलियत हिमाचल प्रदेश की महिलाओं के सामने आ चुकी है और महिला शक्ति चुनावों में भाजपा को कड़ा सबक सिखाने के लिए तैयार बैठी है। जैनब चंदेल ने कहा कि इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना महिलाओं के जीवन मे बड़ा परिवर्तन लाएगी। उन्हें 18000 रुपये सालाना मिलेंगे, जिससे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी और भाजपा को यह बात हज़म नहीं हो रही है।

न्यूज ब्रीफ..

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने पूर्व मंत्री गंगू राम मुसाफिर का पुनः पार्टी में स्वागत किया

शिमला . पच्छाद विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री गंगू राम मुसाफिर को फिर से पार्टी में शामिल कर लिया गया है।
प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने उनका पुनः पार्टी में शामिल होने पर स्वागत करते हुए कहा कि उनकी घर वापसी से कांग्रेस को मजबूती मिलेगी।

हरियाणा और पंजाब के वरिष्ठ न्यायिक अधिकारियों के तबादले

प्रचण्ड समय

राजेंद्र सिंह जादौन, चंडीगढ़ . पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा व पंजाब के वरिष्ठ न्यायिक अधिकारियों के तबादले व्यापक रूप से किए है। इन तबादलो के साथ ही पदोन्नति सूची भी जारी की है। इस सूची में उन 13 न्यायिक अधिकारियों को पदोन्नत करने का आदेश जारी किया है जिसको लेकर हाई कोर्ट व हरियाणा सरकार के बीच विवाद चल रहा था। पंजाब के लिए जारी आदेश के अनुसार सात जिला एवं सत्र न्यायाधीशों का तबादला किया गया है जबकि दो अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीशों को पदोन्नत कर जिला एवं सत्र न्यायाधीश बनाया गया है। हरियाणा के दो जिला एवं सत्र न्यायाधीशों का तबादला हुआ है। पंचकूला के जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुभाष महला का तबादला गुरुग्राम, गुरुग्राम के जिला एवं सत्र न्यायाधीश सूर्य प्रताप सिंह का तबादला पंचकूला किया गया है। इनके अतिरिक्त 69 अन्य न्यायिक अधिकारियों का तबादला आदेश जारी किया गया है। पंजाब के लिए जारी आदेश के अनुसार मोहाली के जिला एवं सत्र न्यायाधीश हरपाल सिंह का तबादला कपूरथला, लुधियाना के जिला एवं सत्र न्यायाधीश मुनीष सिंगला का तबादला संगरूर, कपूरथला के जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमरिंदर सिंह ग्रेवाल का तबादला अमृतसर, मोगा के जिला एवं सत्र न्यायाधीश अतुल कसाना का एसएएस नगर, जालंधर के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सरबजीत सिंह धालीवाल को मोगा का जिला एवं सत्र न्यायाधीश बनाकर, पटियाला के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश हरि सिंह ग्रेवाल को मानसा का जिला एवं सत्र न्यायाधीश बनाकर भेजा गया है। हाईकोर्ट और हरियाणा सरकार के बीच 13 जजों की पदोन्नति को लेकर विवाद सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचने के बाद अब आखिरकार हाईकोर्ट ने इन जजों को पदोन्नत कर उनकी पदस्थापन का आदेश जारी किया है।हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ इस मामले में हरियाणा सरकार सुप्रीम कोर्ट तक गई थी लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने सरकार की याचिका को खारिज कर दिया था। कृति जैन, शिखा, विवेक यादव, नीरू कंबोज, विशाल, खत्री सौरभ, हितेष गर्ग, शिफा, दानिश गुप्ता, अरविंद कुमार, आर्या शर्मा, मनोज कुमार राणा व पियूष शर्मा को सिविल जज सीनियर डिवीजन के तौर पर पदोन्नत किया गया है।

एसडीएम ने धारा 144 के तहत परीक्षा केन्द्रों के आस-पास लगाए प्रतिबंध

प्रचण्ड समय

मंडी . एसडीएम सदर मंडी ओम कांत ठाकुर ने धारा-144 के तहत परीक्षा केन्द्रों के आस-पास प्रतिबंध लगाए हैं। उन्होंने बताया कि संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी.) नई दिल्ली द्वारा 21 अप्रैल को मंडी जिला मुख्यालय में एनडीए, एनए तथा सीडीएस-1 की परीक्षा 2024 विभिन्न स्थानों पर जिनमें कन्या वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, राजकीय वल्लभ महाविद्यालय मंडी, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मंडी, सीडीएस परीक्षा और एनडीए और एनए राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला ब्यॉज मंडी, डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल मंडी में आयोजित होगी। आदेशों के अनुसार परीक्षा केंद्रों के आसपास 21 अप्रैल को प्रातः 8 बजे से सायं 5 बजे तक को किसी भी सामाजिक, सांस्कृतिक व राजनीतिक कार्यक्रम, जुलूस, रैलियों, नारेबाजी, धरना प्रदर्शन आदि पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा।

अपने पिता स्वर्गीय श्री वीरभद्र जी की प्रतिमा को नहीं दिला पाए 2 गज ज़मीन, तो मंडी के मुद्दे क्या हल करेंगे विक्रमादित्य- राकेश जमवाल

प्रचण्ड समय . शिमला

मंडी कांग्रेस प्रत्याशी विक्रमादित्य पिछले दिनों जिस सरकार के आज गुणगान गा रहे हैं, उनकी कार्यशैली से नाराज होकर एक समय में इस्तीफा दे दिया था. लेकिन, बाद में आज उसी सरकार के साथ कदम से कदम मिला कर चलने का दिखावा कर रहे हैं. भाजपा प्रवक्ता राकेश जमवाल ने कहा कि या तो मंत्री जी को सत्ता की इतनी ललक है कि जिस तरह को पलड़ा भारी होता है उस तरफ अपने कदम बढ़ा देते है। उनका व्यवहार बिन पेंदे के लोटे के समान है, जो कभी इधर तो कभी उधर डोलते नजर आते हैं. उन्होंने विक्रमादित्य सिंह को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जो अपने पिताजी को उनका सम्मान अपनी ही सरकार में नहीं दिला पाए, वो मंडी का अधिकार किस तरह दिला पाने में सक्षम होंगे? इस बारे में मंडी कि जनता परेशान है।

बीजेपी के मुख्य प्रवक्ता राकेश जमवाल ने कहा प्रदेश की सरकार व कांग्रेस संगठन में समन्वय की कमी है। मुख्यमंत्री हर जनसभा में यह प्रचार कहते जा रहे हैं कि केंद्र से कोई सहायता हिमाचल प्रदेश को नहीं मिली है, लेकिन विक्रमादित्य सिंह केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से 3000 करोड़ से अधिक की राशि सिर्फ और सिर्फ सड़कों को मिलने की बात स्वीकार अपने सोशल मीडिया अकाउंट से की है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि क्या सरकार झूठ बोल रही है।भारतीय जनता पार्टी का दावा है कि आपदा के समय में केंद्र से भरपूर सहायता प्रदेश को मिली है, लेकिन कांगेस हमेशा इससे झूठ बोलकर इनकार करती रही।

हिमाचल बीजेपी के मुख्य प्रवक्ता राकेश जमवाल ने कहा कि पहले विक्रमादित्य सिंह ने अपने पिता के अपमान की बात की वे अपने पिता की प्रतिमा स्थापित करने के लिए दो गज जमीन उपलब्ध नहीं करवा सके।उनकी मां और मंडी संसदीय क्षेत्र से मौजूदा सांसद कहती है कि सांसद निधि देकर चुनाव नहीं जीते जाते।अब विक्रमादित्य सिंह कह रहे हैं कि वह मंडी के समस्याओं का समाधान करेंगे। ऐसे में सवाल उठता है कि जो शख्स अपने पिता के लिए दो गज जमीन उपलब्ध नहीं करवा सका, वह आखिर मंडी संसदीय क्षेत्र की जनता के मुद्दे कैसे उठाएगी। उन्होंने कहा कि विक्रमादित्य सिंह को यह स्पष्ट करना चाहिए कि इस्तीफा क्यों दिया था?

राकेश जमवाल ने कहा कि विक्रमादित्य सिंह को राजनीति विरासत में मिली है।यह उनकी मेहनत नहीं है, जबकि कंगना रनौत ने आम परिवार से उठकर देश दुनिया में अपने नाम बनाया। ऐसे में कांग्रेस को ही यह स्पष्ट करना चाहिए कि उन्हें कंगना रनौत की उम्मीदवारी से क्या परेशानी है।

राकेश जमवाल ने कहा कि आम जनता कांग्रेस सरकार से बुरी तरह परेशान है. उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी चारों लोकसभा सीट के साथ सभी छह विधानसभा क्षेत्र के उप चुनाव में भी जीत हासिल करेगी।राकेश जमवाल ने कहा कि कांग्रेस डूबता हुआ जहाज है और इसी वजह से कांग्रेस को चुनाव लड़ने के लिए प्रत्याशी भी नहीं मिल रहे हैं।राकेश जमवाल ने कहा कि कांग्रेस के बड़े-बड़े नेता पार्टी का साथ छोड़ रहे हैं. इसका उदाहरण आज हिमाचल कांग्रेस के सह प्रभारी तजिंदर पाल बिट्टू के इस्तीफे के तौर पर सभी के सामने है।

महिलाओं सशक्तिकरण के लिए वर्तमान सरकार ने आरंभ की कई योजनाएंः शांडिल

प्रचण्ड समय . शिमला

वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डा. धनी राम शांडिल ने आज यहां जारी एक प्रेस वक्तव्य में कहा कि वर्तमान प्रदेश कांग्रेस सरकार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में वर्तमान राज्य सरकार ने अनेकों योजनाएँ आरंभ कर उन्हें धरातल पर उतारा है ताकि उन्हें समाज में सशक्त बनाया जा सके तथा वे अपना सम्मानजनक जीवन यापन कर सकें।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने अपना चुनावी वादा निभाते हुए 18 वर्ष से अधिक की आयु की लड़कियों एवं महिलाओं के लिए इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना आरम्भ की है जिसके तहत प्रत्येक पात्र को 1500 रुपये प्रतिमाह प्रदान किए जा रहे हैं। योजना के अंतर्गत फार्म भरने का कार्य शुरू किया गया है तथा महिलाओं को इसका लाभ मिलना आरंभ हो चुका है। भाजपा प्रदेश की महिलाओं को उनके अधिकार से वंचित करने के लिए बार-बार चुनाव आयोग जा रही है और पेंशन में रोड़े अटका रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 2.42 लाख महिलाओं को 1000 या 1150 रुपये मासिक सामाजिक सुरक्षा पेंशन मिल रही थी, जिसे वर्तमान प्रदेश सरकार ने बढ़ाकर 1500 रुपये कर दिया है तथा उन्हें यह राशि मिलना भी शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने विधवा पुनर्विवाह योजना के अन्तर्गत दी जाने वाली सहायता राशि 65 हजार रुपये से बढ़ाकर 2 लाख रुपये की। डा. धनी राम शांडिल ने कहा कि पुलिस भर्ती में लड़कियों के लिए आरक्षण को 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 30 प्रतिशत किया गया। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश सीलिंग लैंड होल्डिंग एक्ट, 1972 में परिवार में पुत्र को अलग इकाई माना गया था तथा लड़कियों को अलग इकाई मानने से वंचित रखा गया। परन्तु वर्तमान प्रदेश सरकार ने इस एक्ट में संशोधन कर बेटियों को अलग इकाई बनाया तथा उनके साथ हो रहे भेदभाव को समाप्त किया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि वर्तमान कांग्रेस सरकार ने इंदिरा गांधी बालिका सुरक्षा योजना के तहत एक बेटी के बाद परिवार नियोजन अपनाने वाले परिवार को मिलने वाली 35 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि बढ़ाकर दो लाख रुपए तथा दो बेटियों के बाद परिवार नियोजन पर मिलने वाली 25 हजार रुपए की राशि एक लाख रुपए करने का निर्णय लिया है। डा. धनी राम शांडिल ने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा प्रदेश में मुख्यमंत्री सुख-शिक्षा योजना आरम्भ की जा रही है, जिसके तहत विधवाओं के 27 साल तक के बच्चों की शिक्षा पर होने वाला खर्च प्रदेश सरकार वहन करेगी। विधवा, निराश्रित, तलाकशुदा और अक्षम माता-पिता के सभी पात्र बच्चों को 18 वर्ष की आयु तक एक हज़ार रुपये प्रतिमाह जमा किए जाएंगे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमन्त्री विधवा एवम् एकल नारी आवास योजना के तहत गृह निर्माण की राशि 1.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 3 लाख रुपये की जाएगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी सहायिका, आशा वर्कर, मिड डे मील वर्कर्ज तथा सिलाई अध्यापिकाओं का मानदेय बढ़ाया है।

स्वीप के जरिए मतदान प्रतिशतता बढ़ाने पर जोर

प्रचण्ड समय . ऊना

लोकसभा चुनाव में मतदाता सहभागिता बढ़ाने और मत प्रतिशतता में बढ़ोतरी के मकसद से सभी सरकारी/निजी स्कूलों में नए वोटर्स को अपना वोट बनाने तथा लोगों को उनके वोटिंग अधिकार के प्रति जागरूक किया जा रहा हैं। इसी कड़ी में स्वीप कार्यक्रमों के तहत ऊना विधानसभा के सरकारी व निजी वरिष्ठ माध्यमिक पाठशालाओं में विद्यार्थियों के माध्यम से आम जनमानस तक मतदाता जागरूकता संदेश पहुंचाने और उनके मत को सही ढंग से प्रयोग करने की अपील की।

इस दौरान स्कूली बच्चों ने मतदाता जागरूक रैली निकाली जिसमें स्लोगन पट्टियों और नारों के जरिए स्थानीवासियों को मतदान के प्रति जागरूकता संदेश दिया। इसके अलावा लोकसभा के इस चुनावी महाकुंभ में सभी से अपने मताधिकार का सोच समझकर प्रयोग करके अपने देश के निर्माण में अहम भूमिका निर्वहन करने का जागरूकता संदेश दिया।

स्वीप कार्यक्रमों के तहत रावमापा बीटन व ग्राम पंचायत पोलियां बीत में प्रथम आईआरबीएन बनगढ़ के एकलव्य कलामंच के कलाकारों ने नुक्कड़-नाटक और गीत-संगीत के जरिए बच्चों व स्थानीय वासियों को "युवा हो तुम, देश की शान, जागो, उठो, करो मतदान" तथा "परिवार सहित मतदान को जाना, देश को तुम्हें है श्रेष्ठ बनाना" जैसे स्लोगन के माध्यम से लोगों को मतदाता जागरूकता संदेश दिया।

इसके अलावा शिवबाड़ी गगरेट में भी आंगनबाड़ी वर्करों के जरिए लोगों को मतदान के प्रति जागरूक व प्रेरित किया गया।

डीसी बोले पहली जून को सभी मतदाता अपने मत का करें प्रयोग

जिला निर्वाचन अधिकारी जतिन लाल ने कहा कि पहली जून को सभी मतदाता अपने घरों से निकलकर अपने संबंधित मतदान केंद्र पर अपना मत अवश्य डालें ताकि सभी नागरिक लोकतंत्र की मजबूती में अपनी भागीदारी सुनिश्चित बना सके। उन्होंने युवा मतदाताओं से आग्रह किया कि जिन युवा मतदाताओं के वोटर कार्ड नहीं बने हैं वह अपने नदजकी बूथ लेवल अधिकारी के पास जाकर अपना वोटर कार्ड अवश्य बनाएं ताकि मतदान की प्रतिशतता को बढ़ाया जा सके।

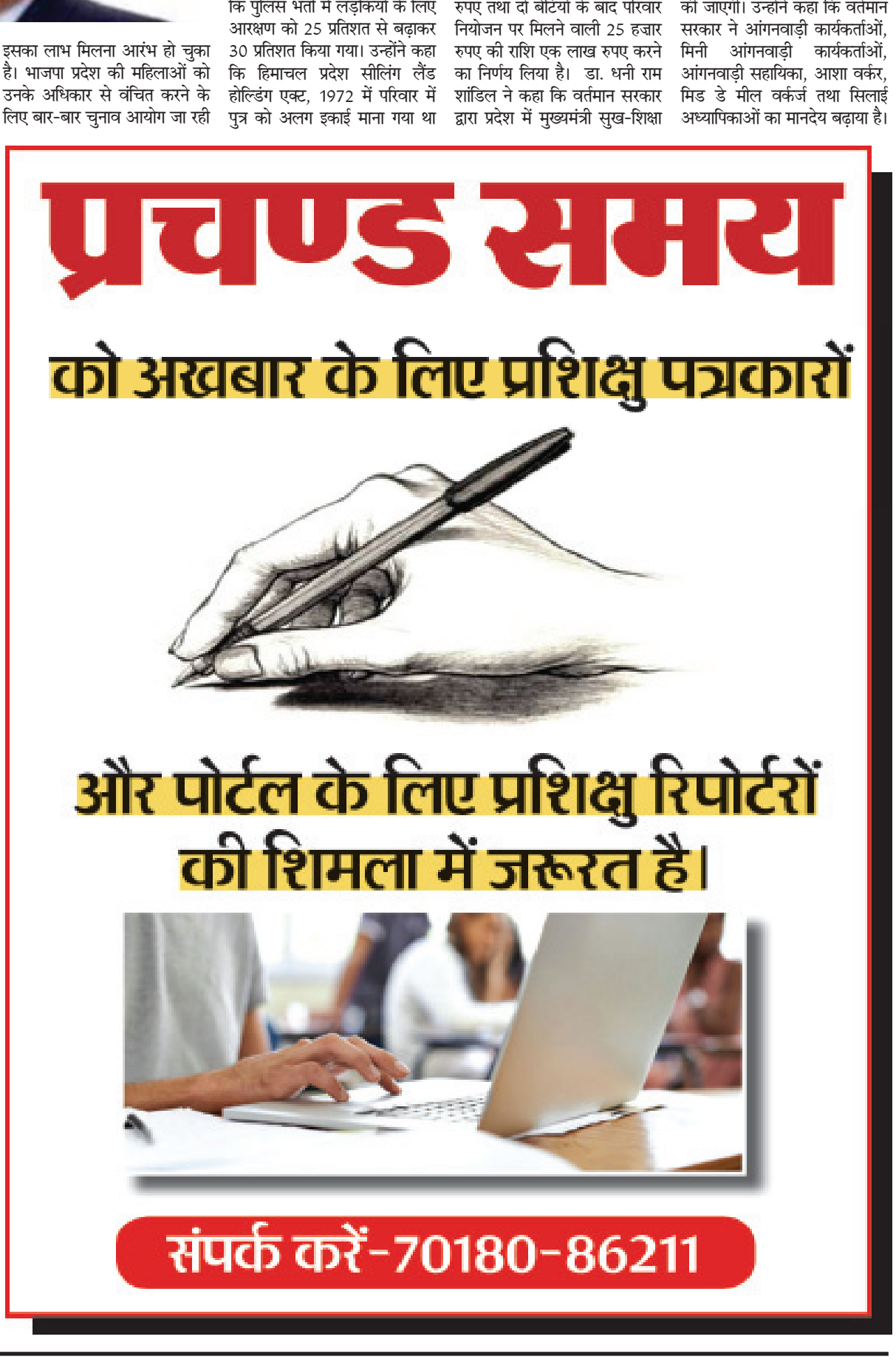

बदल गया है भाषाई क्लेवर नई भाषा में हिंदी का नया चेहरा

भाषा का मसला

प्रो.(डॉ) कृष्ण कुमार रतू

हिंदी पंजाबी के सुपरिचित लेखक एवं मीडिया विशेषज्ञ

बदलते विश्व में हिंदी का नया बदलता हुआ चेहरा हमारी पुरानी सनातनी हिंदी भाषा से बिल्कुल अलग है ।

इन दिनों जिस तरह से पूरी दुनिया में उपलब्ध उपभोक्ता बाज़ार एवं नई तकनीक के नए द्वार खुल रहे हैं उससे हुई नयी डिजिटल संचार क्रांति की नई सूचना प्रौद्योगिकी ने हिंदी को विश्व स्तर पर मनोवैज्ञानिक एवं व्याकरणीय स्तर पर जिस तरह से बदल दिया है यह परिचय सब को चौंकाने वाला तथा बेहद नया है। सच्च तो यह है कि आने वाले दिनों की यही हिंदी की भाषा से एक नयी हिंदी भाषा होगी।

आज जब इन दिनों हिंदी विश्व की तीसरी भाषा बनने की और अग्रसर है तथा दुनिया में 120 करोड़ से ज्यादा लोग अब हिंदी को सीधे-सीधे बोलने वाले एवं उसमें सेतु भाषा की उपलब्धता का अनुवाद कर एवं संबंध भाषा के तौर पर देखते हैं और इस समय पूरे विश्व में एक पहचान बन चुका हिंदी का यह एक नया परिचय है ।

इस तरह इस समय जिससे हिंदी के विचार और इसके विकास तथा पसार की नई नीति दिखाई देती है तथा दूसरे शब्दों में कहें तो यही आज हिंदी की एक ऐसी नई ताकत है जिसके द्वारा हिंदी आज विश्व की अंग्रेजी के बाद बड़ी पहले पांच भाषाओं में एक सेतु भाषा के तौर पर सामने आने लगी है।

इन दिनों विश्व में भारत की बढ़ती हुई साख एवं इसका उपयोगीकरण के साथ-साथ जिस तरह से पिछले एक दशक से सरकारी प्रयासों से भी हिंदी को संयुक्त राष्ट्र संघ तक एक नया मुहावरा और एक नया चेहरा एवं प्रचार प्रसार का एक नया दायित्व एवं पहचान मिली है उससे भी हिंदी के प्रचार प्रचार में व्यापक सुधार एवं उसकी गुणवत्ता के साथ-साथ उसके पढ़ने लिखने एवं उसमें रोजगार तलाशने वाले करोड़ों लोगों में इजाफा हुआ है जो हिंदी के बढ़ते हुए कदम तथा इस शताब्दी में अर्थात इस समय में हिंदी की नई पहचान को दिखा रहा है ।

इस समय सच तो यह है कि हिंदी की ऐसी पहचान पिछले कई दशकों से कभी नहीं थी और मैं इस पहचान तथा हिंदी के इस नए वैज्ञानिक संचार क्रांति की नई प्रोयोगिकी तथा डिजिटल उपयोगिता के कारण इसे ऐसा हिंदी साहित्य हिंदी भाषा तथा हिंदी में रोजगार की संभावनाएं तलाशने के लिए इसका सुनहरा अवसर बांधता हूं ।

अब यह अतिशयोक्ति नहीं रही है कि हिंदी अब करोड़ों लोगों की रोजगार की भाषा तथा आम बोलचाल की भाषा बनने जा रही है ।

इन दिनों हिंदी पर किए गए विश्वव्यापी सर्वेक्षणों में पता चलता है कि आज दुनिया के 172 देशों से ज्यादा देशों में हिंदी का शिक्षण कार्य एवं पठन-पाठन एवं हिंदी के इतिहास को जानने की जिज्ञासा बनी है । आज दुनिया के बेहतरीन तथा बड़े विश्वविद्यालयों में जहां विज्ञान तकनीक मेडिकल संचार तथा मैनेजमेंट के विषयों के प्रबंध शोध हो रहे हैं उसके साथ हिंदी भाषा के इतिहास हिंदी की प्रयोग की के द्वारा हिंदी का व्याकरण तथा हिंदी में एक नई संभावनाओं का एक नया पाठ वर्ग तथा शोध का कार्य भी सामने आने लगा है ।

इस समय जब विश्व के कई विश्वविद्यालयों के छात्र अब भाषाई आदान-प्रदान के कारण भारत के कई विश्वविद्यालय एवं केंद्रीय हिंदी निदेशालय जैसे शोध तथा हिंदी को बढ़ावा देने वाले कर्मों में आने लगे हैं। यह हिंदी की आम नई पीढ़ी के प्रति एक नई वैज्ञानिक सोच तथा तकनीक और हिंदी में मल्टीनेशनल कंपनियों के प्रचार, बाजार एवं प्रसार की एक नई तस्वीर है ।

एक सर्वेक्षण यह बताता है कि भारत में जितनी भी पूरी दुनिया के विकासशील देशों की मल्टीनेशनल कंपनियों के ऑफिस कार्यालय खुले हैं आज उनमें उन लोगों की भर्ती की जा रही है जिनको हिंदी एक विषय के तौर पर प्रवीणता से आती है क्योंकि मल्टिनेशन कंपनियों का सारे का सारा बाजार तथा दारो मदार तथा व्यापार अब आंचलिक भाषाओं तथा पूरी तरह हिंदी समझ में ही होना है।

हिंदी का वातावरण बनाने में सजगता से सामने आ रही है अब कोरिया जैसे छोटे देशों से लेकर जापानी और मध्य पूर्व तथा अफ्रिका के कई देशों से लेकर दक्षिण लातीनी अमरीकी देशों से आगे इसराइल से लेकर अमरीका तथा कनाडा जैसे देशों में हिंदी का आज जिस तरह का बोल बाला है वह शुभ है ।

इधर बिरटेन और कनाडा, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड तथा अन्य देशो में जिस तरह से हिंदी का प्रचार प्रसार हुआ है सदस्य कम हिंदी की नई सफर यात्रा को हमारे सामने परिलक्षित करता है ।

हम लोग क्षेत्र

आज हिंदी की उपरोक्त स्थिति एक तरफ इसके प्रचार प्रसार एवं इसकी पढ़ाई को लेकर है और दूसरी हिंदी बदलता हुआ चेहरा किस का प्रयोजन मूलक वैश्वीकरण का वो चुका है जो आम रोजमर्रा की भाषा के द्वारा नरपत होता है।

उसमें पहले भारत की ही बात करें तो आजकल पिछले एक दशक में देश की हिंदी में बेहद तब तबदै आई है। भारतीय संसद से लेकर विधानसभाओं में जिस तरह से हिंदी की बोली को और जिस तरह से नफरती हिंदी को प्रचार प्रसार के लिए एक लच्चर भाषा में तब्दील किया गया है । यह बेहद सोचनीय बेहद निंदाजनक है और यह कौन सी भाषा कभी संसदीय भाषा पारलीमैंटेरियल लैंग्वेज अर्थात भद्र भाषा थी परंतु अब तो हाल यह है कि भारतीय संसद में भी इस समय की यह हिंदी बोली जाती है कि आपका विश्वास ही उड़ जाए।

प्रचण्ड समय

इस समय यह हम कौन सी भाषा सुन रहे हैं ।यह गिरावट पिछले एक दशक में भारत में देखी गयी है परंतु उत्साहवर्धक चीजें यह है कि विचार स्वतंत्र परंतु उत्साह जनकविषय यह भी है कि जिन विश्वविद्यालय में तथा जिन संस्थाओं में हिंदी प्रचार प्रसार कार्य हो रहा है उनमें आज नए विषयों को लेकर तथा ज्ञान विज्ञान के साथ मेडिकल के विषयों को लेकर भी हिंदी का बोलबाला सामने आ रहा है और यह इसलिए भी चौंकाता है कि आज इसमें भारी गिनती में विद्यार्थी भाग ले रहे हैं तथा अपना पठान-पाटन हिंदी में करते रहे हैं ।

इन दिनों जिस स्थिति में भारत के अतिरिक्त भारत की सीमाओं के बाहर भी एशियाई देशों में भी दिखाई दे रही है दूसरा एक बड़ा पक्ष जो हिंदी के प्रचार प्रसार के लिए पूरी दुनिया में सामने आता है वह एक अद्भुत पहुंच है जो पिछली लगभग आधी शताब्दी से ज्यादा है ।

1950 से लेकर आज तक पिछले 75 वर्षों में जिस तरह से भारतीय फिल्मों ने हिंदी के प्रचार प्रसार को विश्वस्तरीय पहचान दी है आज मिडल ईस्ट तथा अन्य कोई भी देश ले ले यहां तक के अफ्रीकी देशों में भी आप का सकते हैं कि हिंदी फिल्मों के गीत तथा हिंदी फिल्मों की कहानी अब रूस जैसे देश से बाहर निकाल कर पूरी दुनिया में फैली हुई है तथा आस्ट्रेलिया के साथ जुड़े हुए छोटे-छोटे देशों में भी हिंदी फिल्मों के गीत तथा हिंदी फिल्मों के डायलॉग के धड़ल्ले से बोले जा रहे हैं ।

सच कहें तो हिंदी फिल्मों की एक बड़ी मार्केट अब वह भारत की सीमाओं के बाहर है जो हिंदी की एक ताकत अर्थात हिंदुस्तानी भाषा हिंदी की एक ताकत का नया चेहरा है जो चौंकाता है जिसके जरिए हजारों लोगों को रोजगार की नई संभावनाएं पैदा हो रही है । एक अन्य सर्वेक्षण जो पिछले एक दशक से सामने आ रहा है वह है संचार माध्यमों द्वारा सूचना संप्रेषण में हिंदी का बोलबाला जिस तरह से हुआ है ।

इस समय टेलीविजन की ताकत ने हिंदी के प्रचार प्रसार बहस तथा वाद विवादों के जरिए जी नई हिंदी को जन्म दिया है वह हिंदी की वर्तनी को लेकर तथा हिंदी की एकइन भाषा के सीरीज के द्वारा उत्पादन में लिया रहे हैं ।

यह चौंकाने वाला विषय इसमें हजारों में कलाकारों को हजारों नए उन लोगों को रोजगार मिला है जिसमें एक अलग से भाषाओं का मजदूर तथा पहचान की सूचना हमें दिखाई देती है और दूसरा बड़ा बाजार टेक्निकल भाषा के तौर पर हम देखें तो वह डबिंग की भाषा का है अर्थात अनुवाद की भाषा का है।

आज दुनिया भर की वेब सीरीज फिल्में हिंदी में डबिंग होकर भारतीय बाज़ार में बड़े चैनलों से तथा हॉट ओटीटी प्लेटफार्म से दिखाई जाती है ।

यह हिंदी की एक नई पहचान तथा प्रसार की एक बादशाही उपलब्धता मानी जा सकती है । इसी तरह भारतीय फिल्में तथा भारतीय सीरीज तथा भारतीय टेलीविजन कार्यक्रम अब पूरी दुनिया में डब होकर दूसरे बड़े चैनलों के प्लेटफार्म से दिखाई जा रही है ।

एक सर्वेक्षण के अनुसार ब्रिटेन से लेकर मध्य पूर्व एवं यूरोपीय देशों के साथ-साथ कनाडा अमेरिका तथा अर्जेंटीना जैसे शॉर्ट देश भी आज भारतीय टेलीविजन कार्यक्रमों को हिंदी में ही देखते हैं अथवा डब किए हुए टेलिविजन सीरीज तथा कार्यक्रम उनको उपलब्ध होते हैं।

इस समय एक बड़ी मार्केट डायसपोरा भारतीयों की है जो अपनी जड़ों से जुड़ने के लिए भी आज हिंदुस्तानी हिंदी का प्रयोग कहीं ना कहीं किसी विश्व के किसी भी कोने में रह आप बसा हुआ भारतीय आज। सिदूर भारत के नागरिक से लेकर उत्तर पूर्व के नागरिक जब देश में बात करते हैं तो वह हिंदी में बात करते हैं।

जैसे भाषा भारतीय समाज को है जो हिंदी की नई उपलब्धता तथा हिंदी में रोजगार तथा संबाद का एक सेतुबंध का काम करती है । आज भाषा के स्तर पर हिंदी के नए तौर तरीके तथा हिंदी की नई पहचान की तरह है नए द्वार खोले हैं।

हिंदी को नई तरह से तैयार होने की भाषा के तौर पर बात करते हैं तथा इस तरह कहता हूं कि सूचना प्रसारण तो सूचना संप्रेषण के कारण पहुंच अंदर हुई फिल्में तथा भारतीय टेलीविजन कार्यक्रमों के कारण और सरकारी प्रचार प्रसार के संसाधनों के द्वारा हिंदी के इस लाभ में भारतीय हिंदी के समाचार पत्र पर देशों से प्रकाशित होने लगे हैं तथा उनके ई एडिशन लाखों में प्लेटफार्म पढ़ने लगे हैं।

यह हिंदी का आने वाले दिनों का एक ऐसा परिदृश्य तथा ऐसा नया प्रवेश है जो चकाचौंध से भरा हुआ है । इन दिनों यह रोजगार के तहत लेकर पूरी विश्व को अपनी और आकर्षित कर रहा है। पूरी दुनिया घर से हिंदी का है । उन लोगों का है जो इसका रोजगार प्राप्त कर तथा हमारी नई प्रतिशत हिंदी को रोज़गार का जरिया मानकर अब हिंदी पढ़ने की और लालायित है ।

इसमें मैं फिर से कहता हूं भाषा के स्तर पर हिंदी की इस नई त्वरित गति से बढ़ती हुई नई स्पीड तथा विस्तार हिंदी का आज का सुनहरा युग है और इसमें जो बदलती भाषा है वही कल की भाषा है और अब इसे मान लेना चाहिए ।

बदलती की भाषा और टूटती में सीमाएं देशों से परे खिचड़ी भाषा का नया चेहरा जो हिंदी का नया platform अद्भुत मानस वह अद्भुत है और चमकने वाला है तथा उसमें अनेक को संभावनाएं भरी हुई है ।

यह भविष्य की हिंदी का एक नया परिदृश्य है,जिस पर फख्र किया जा सकता है और जिस पर विश्वास किया जा सकता है और यह बदलते हुए भारत की नई हिंदी की एक नई पहचान की एक नई पहचान का नया आसमान है।

इस लेख के लेखक प्रसिद्ध साहित्यकार एवं मीडिया विशेषज्ञ हैं उन्हें इस लेख पर आप अपनी प्रतिक्रिया 94787 30156 पर दे सकते हैं।

'घर में घुसकर मारने' वाले बयान से चुनावी प्रचार में क्या हासिल करना चाहती है मोदी सरकार

पिछले कुछ दिनों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'घर में घुसकर मारने' वाली टिप्पणी की चर्चा है।

उत्तराखंड के ऋषिकेश में एक रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में कहा, 'आज भारत में मोदी की मज़बूत सरकार है इसलिए आतंकवादियों को घर में घुसकर मारा जाता है।'

उनकी इस बात पर रैली में कई लोग ताली बजाते नज़र आते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के बयान पर अमेरिका ने कहा कि वो भारत और पाकिस्तान के बीच में नहीं पड़ेगा।

इसके अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक निजी टीवी चैनल से बातचीत में एक सवाल के जवाब में कहा, "कोई भी आतंकवादी हमारे पड़ोसी देश से भारत को डिस्टर्ब करने की कोशिश करेगा। यहां पर भी आतंकवादी हरकतें करेगा, तो उसका मुंहतोड़ जवाब देंगे। यदि वो भागकर पाकिस्तान में जाएगा तो पाकिस्तान में घुसकर मारेंगे।"

'द गार्डियन' से चर्चा में आया

ये दोनों वक्तव्य आम चुनाव में वोटिंग की शुरुआत से ठीक पहले आए। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने राजनाथ सिंह के वक्तव्य की निंदा की थी।

राजनाथ सिंह से पूछा गया सवाल ब्रिटेन के एक अख़बार "द गार्डियन" में छपी एक ख़बर से जुड़ा था। ख़बर में दावा किया गया था कि भारत ने साल 2020 से पाकिस्तान में 20 लोगों तक की हत्याएं करवाई।

प्रचण्ड समय

अख़बार से बातचीत में भारत के विदेश मंत्रालय ने सभी आरोपों से इनकार किया और एक पुराने वक्तव्य को दोहराया जिसमें ऐसे आरोपों को "झूठा और दुर्भावनापूर्ण, भारत-विरोधी प्रोपेगैंडा" बताया गया था। मंत्रालय ने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के पूर्व बयान को भी दोहराया जिसमें उन्होंने कहा था कि दूसरे देशों में योजनाबद्ध हत्याएं करवाना "भारत सरकार की नीति नहीं है।" प्रधानमंत्री मोदी और राजनाथ सिंह के बयान ऐसे वक्त पर आए हैं जब कुछ महीनों पहले कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत के खिलाफ़ "विश्वसनीय आरोपों" का दावा किया था।

इसके अलावा अमेरिका में एक "सिख पृथकतावादी आंदोलन के नेता" की हत्या की साज़िश मामले में चार्जशीट दाखिल की गई थी जिसमें निखिल गुप्ता और भारत के सरकारी कर्मचारी के शामिल होने का दावा किया गया।

अख़बार "फ़ाइनेंशियल टाइम्स" के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने जी-20 की अपनी दिल्ली यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत में इस विषय को उठाया था। अख़बार को दिए एक साक्षात्कार में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अगर भारत को कोई जानकारी दी जाती है तो उसे देखा जाएगा। याद रहे कि पूर्व में विपक्षी कांग्रेस चीन की ओर से होने वाली कथित घुसपैठ पर प्रधानमंत्री मोदी पर हमले करती रही है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी निज्जर और पन्नू से जुड़े विषय पर काफ़ी कुछ लिखा गया है।

अंतरराष्ट्रीय रिश्तों पर कितना प्रभाव

ऐसे माहौल में प्रधानमंत्री मोदी और राजनाथ सिंह का "घर में घुसकर मारने" जैसी टिप्पणी करना कितना सही है?

रक्षा विश्लेषक अजय साहनी के मुताबिक ऐसी टिप्पणी सही नहीं है, लेकिन "ये चुनाव के दौरान घरेलू बातचीत है। इसका विदेशी रिश्तों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।"

अजय साहनी के मुताबिक़ "दोनो वक्तव्यों के कई मतलब निकाले जा सकते हैं ताकि ज़रूरत पड़ने पर उनसे इनकार किया जा सके। आजकल के माहौल में जब लगभग सभी देश (कानूनों का) उल्लंघन कर रहे हैं, ऐसी बातों से अंतरराष्ट्रीय रिश्तों पर प्रभाव नहीं पड़ता।"

थिंक टैंक ओआरएफ़ में सीनियर फ़ेलो सुशांत सरीन के मुताबिक़, "अगर भारतीय नेता बालाकोट जैसे ऑपरेशन के बारे में बात कर श्रेय ले रहे हैं और उसे राजनीतिक मुद्दा बना रहे हैं तब इस पर किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए लेकिन जिन ऑपरेशन के बारे में भारत को लेकर दावे किए जा रहे हैं और अगर सचमुच में ऐसा हो रहा है तो मेरे विचार में उस पर मुंह बंद करने की नीति होनी चाहिए।"

भारत सरकार में कैबिनेट सेक्रेटेरिएट में पूर्व विशेष सचिव वी बालचंद्रन के मुताबिक "प्रधानमंत्री मोदी और राजनाथ सिंह के वक्तव्य पाकिस्तान के जम्मू और कश्मीर मामले में दखलअंदाजी और भारत में आतंकी हमलों को लेकर थे और उनका कनाडा और किसी दूसरे देश से कोई ताल्लुक नहीं था।" - **साभार, बीबीसी**

ईरान-इसराइल के एक-दूसरे पर हमलेः क्या अब जंग का ख़तरा टल गया है

ईरान के ठिकानों पर इसराइल के सीधे हमले की रिपोर्टों के चौबीस घंटे बीत जाने के बाद भी इस घटना को लेकर अलग-अलग सूत्रों से विरोधाभासी जानकारियां मिल रही हैं। शुक्रवार देर शाम तक, ईरान के सरकारी मीडिया और आईआरजीसी (रिवोल्यूशनरी गार्ड्स) समर्थित मीडिया के कवरेज से ये पता चलता है कि इसराइल के इस हमले से ईरान को कोई ख़ास नुक़सान नहीं पहुंचा है और ईरान इसे लेकर जवाबी कार्रवाई नहीं करेगा।

जब ईरान की सेना के कमांडर इन चीफ़ अब्दुलरहीम मोसावी से पूछा गया कि ईरान इसराइल के इस हमले पर कैसी प्रतिक्रिया देगा तो उन्होंने कहा, 'आप पहले भी ईरान की प्रतिक्रिया देख रहे हैं।'

दरअसल, मोसावी 13 अप्रैल को इसराइल पर ईरान के ड्रोन और मिसाइल हमले के संदर्भ में बोल रहे थे। वहीं, ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिवालय ने भी कहा है कि 'ईरान के ख़िलाफ़ कोई विदेशी आक्रामक कार्रवाई नहीं हुई है।' हालांकि, ईरान के मीडिया ने भी बताया था और अधिकारियों ने भी इसकी पुष्टि की थी कि शुक्रवार सुबह एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिवेट कर दिया गया था। मीडिया में भी ईरान के वायुक्षेत्र में गतिविधियों को लेकर ख़बरें प्रकाशित हुई थीं। वहीं ईरान का इसे लेकर कहना है कि इस्फ़ाहन शहर के आसपास आसमान में गिने-चुने क्वॉडकॉप्टर (ड्रोन) दिखाई दिए थे जिन्हें हवा में ही नष्ट कर दिया गया था।

हमले के बारे में जानकारी

वहीं, ईरान की परमाणु ऊर्जा एजेंसी का कहना है कि देश के किसी भी परमाणु ठिकानों पर हमला नहीं हुआ है। एजेंसी ने ये भी कहा है कि संवेदनशील रेडियोएक्टिव पदार्थों की वजह से परमाणु ठिकानों को कभी निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। अभी तक इस संभावित हमले के बारे में जितनी भी जानकारियां आई हैं, उन्हें देखकर ये कहा जा सकता है कि ये एक सोचा-समझा और सटीक हमला था जो इसराइल के उद्देश्यों को पूरा करता है। हालांकि, तथ्यों को और बेहतर तरीक़े से समझने के लिए अधिक जानकारियों की ज़रूरत होगी जो अभी तक सामने नहीं आई हैं।

अभी ये भी स्पष्ट नहीं है कि ये हमला अगर हुआ तो कहां हुआ, किस तरह के हथियार इसमें इस्तेमाल हुए और किस पैमाने पर नुक़सान हुआ।

इस हमले के बारे में सबसे अहम जानकारियां एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी के हवाले से पश्चिमी मीडिया को मिलीं। इस अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार, सुबह के वक़्त, इसराइल की तरफ़ से ईरान पर मिसाइल दाग़ी गई जिसने अपना लक्ष्य सफलतापूर्वक भेद दिया।

व्यापक सैन्य अभियान

इसराइल ने इस कथित हमले को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की है और ना ही कोई अधिकारिक जानकारी दी है। हालांकि, ये पहली बार नहीं है जब इसराइल ने ईरान की ज़मीन पर सैन्य अभियान को अंजाम दिया है।

हालांकि, पहले किए गए हमलों के दौरान भी, इसराइल ने कभी भी ईरान पर हमलों की ज़िम्मेदारी नहीं ली है। इसराइल ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को भी बिना ज़िम्मेदारी लिए, नुक़सान पहुंचाया है।

ऐसा हो सकता है कि इस बार इसराइल अधिकारिक रूप से इस हमले की ज़िम्मेदारी ले ले क्योंकी ईरान इसराइल पर किए गए व्यापक ड्रोन और मिसाइल हमले की ज़िम्मेदारी ले चुका है।

ईरान ने इसराइली सैन्य ठिकानों को अपने लिए वैध लक्ष्य बताया था और इस हमले को अपनी संप्रभुता की सुरक्षा बताया था।

इसराइल की सेना इस समय ग़ज़ा में व्यापक सैन्य अभियान चला रही है। इसराइल ने ईरान पर जो भी जवाबी कार्यवाई करना तय किया होगा उसमें ग़ज़ा में सेना की संलिप्तता का भी ध्यान रखा गया होगा।

इसराइल के ईरान पर संभावित हमले का मक़सद क्या है?

प्रचण्ड समय

सात अक्तूबर को इसराइल पर हमास के हमले के बाद से इसराइल ग़ज़ा में सैन्य अभियान चला रहा है।

पिछले छह महीने से जारी इस लड़ाई का मक़सद ग़ज़ा से हमास को समाप्त करना और सभी इसराइली बंधकों को सुरक्षित रिहा कराना है।

ऐसे में, इस समय इसराइल के लिए पहली प्राथमिकता फ़लस्तीन का मुद्दा ही है।

हालांकि, जनता की भावनाओं या देश के कट्टरवादी वर्ग की मांग को पूरा करने में इसराइल ये लक्ष्य प्राप्त नहीं कर पाएगा।

ये भी आधुनिक इतिहास में पहली बार है जब ईरान ने इसराइल पर सीधा हमला किया है, ऐसे में, अंतरराष्ट्रीय क़ानूनों के तहत इसराइल के पास ईरान पर जवाबी कार्रवाई करने के वाजिब कारण हैं।

अगर इस नज़रिए से देखा जाए तो संयुक्त राष्ट्र के एक स्थायी सदस्य देश की तरफ़ से सीधे हमले का जवाब देना इसराइल की मजबूरी भी है।

अंतरराष्ट्रीय संबंध

इस स्तर पर, राष्ट्रीय संप्रभुता की सुरक्षा के मूल सिद्धांत के तर्क के साथ इसराइल के कई नीति निर्माताओं का मानना है कि जवाबी कार्रवाई करना एक ज़रूरी क़दम है।

हालांकि, ये संवेदनशील प्रतिक्रिया, जो मौजूदा अंतरराष्ट्रीय संबंधों के ढांचे में भले ही वास्तविक ज़रूरत लग रही है, इसका एकमात्र उद्देश्य बदला लेना या दंडित करना नहीं है।

जवाब देने के मामले में इसराइल के मुख्य लक्ष्यों में से एक डिटेरेंस यानी 'हमला करने से रोकने' की स्थिति पैदा करना है।

इसराइल का मक़सद आईआरजीसी की तरफ़ से किए गए सीधे हमले जैसी घटनाओं को दोहराये जाने से रोकना है। ईरान ने जब दमिश्क में अपने दूतावास के जवाब में इसराइल पर हमला किया तब उसका मक़सद भी यही था कि वो भविष्य में ऐसे हमलों को दोहराये जाने से रोके।

ईरान पर इसराइल के जवाबी हमले के मामले में हमला कहां किया गया, इसका स्थान और इससे कितना नुक़सान पहुंचा, ये बातें मायने रखती हैं।

अगर इसराइल ने इस हमले में ईरान के लिए रणनीतिक और सैन्य रूप से बेहद अहम ठिकानों को नुक़सान पहुंचाया है तब एक सीमित और नियंत्रित हमले के ज़रिए भी इसराइल ईरान को कठोर और स्पष्ट संदेश दे सकता है।

और अगर, इसराइल इस सीमित प्रतीत हो रहे हमले के ज़रिए ईरान की सेना को भारी नुक़सान पहुंचाने में कामयाब रहा है तो इससे ये स्पष्ट है कि इसराइल ने ये साबित कर दिया है कि उसकी सैन्य क्षमता ईरान से बेहतर है। इससे इसराइल ने आईआरजीसी के कमांडरों को ये संदेश भी दिया होगा कि वह अपने ख़ुफ़िया नेटवर्क और मारक क्षमता से ईरान के भीतर किस हद तक घुस सकता है। जैसा कि अमेरिकी सूत्रों ने बताया है, ऐसा संभव है कि सिर्फ़ एक ही मिसाइल दागी गई हो, अगर ये सच है तो, इस इससे भी इसराइल ने इस नज़रिए से अपनी ताक़त दिखा दी है कि ईरान ने तीन सौ के क़रीब मिसाइलें दाग़ी और इसराइल को कोई नुक़सान नहीं पहुंचा जबकि इसराइल ने सिर्फ़ एक मिसाइल दाग़ कर ही ईरान को नुक़सान पहुंचा दिया। - **साभार, बीबीसी**

ईडी की खाने पे नज़र है, भैया!

कमलेश भारतीय

यह ईडी भी कमाल है । आजकल इसी की चर्चा है और नेता इससे बचने की कोशिश में रहते हैं । क्या पता, किसका नम्बर आ जाये ! चाहे मनीष सिसोदिया हों या अरविंद केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री दोनों ईडी की कृपा से जेल में हैं ।

मनीष सिसोदिया का तो इस्तीफा ले लिया था लेकिन खुद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद से अभी तक इस्तीफा नहीं दिया और जेल से ही सरकार चला रहे हैं । भाजपा कार्यकर्ताओं ने केजरीवाल के घर के बाहर प्रदर्शन कर इस्तीफे की मांग कर ली लेकिन केजरीवाल टस से मस नहीं हुए । ईडी की लपेट में आने से बचने के लिए कुछ नेताओ ने समय रहते एहतियात बरत कर समझदारी दिखाई और चैन की नींद सो रहे हैं । एक अपने हिसार के दोहिते रहे अरविंद केजरीवाल, जो जेल में तो बंद हैं , अपने मन का खाना भी नही खा सकते । इनके खाने पर भी ईडी की नज़र है भैया ! ईडी का आरोप है कि केजरीवाल जानबूझकर कर मीठा खा रहे हैं ताकि उनका शूगर लेवल बढ़ जाये और वे मेडिकल ग्राउंड के आधार पर जमानत लेकर जेल से बाहर आ सकें । इसके जवाब में इनके वकील व कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी का कोर्ट में पक्ष यह है कि क्या केजरीवाल जमानत के लिए पैरालिसिस अटैक का जोखिम उठायेंगे ? सिंघवी ने बताया कि केजरीवाल के घर से 48 बार भोजन आया और तीन बार आम आये थे । आठ अप्रैल के बाद से आम नहीं आये । सिघंवी ने ईडी के वकील के अदालत में पेश होने का भी विरोध करते कहा कि यह मामला जेल, कोर्ट और मेरे मुवक्किल के बीच का है । आप प्रेस कांफ्रेंस कर कह रहे हैं कि यह आदमी यानी केजरीवाल आम खा रहा है ! आम आदमी क्या खायेंगे ? आम या मशरूम ? ईडी ने केजरीवाल के आरोपों को गलत बताया ! अभी केजरीवाल को राहत मिलने की उम्मीद कम ही लगती है लेकिन यह भी मज़ेदार बात है कि ईडी इनकी जेल से बाहर आने की कोशिशों पर भी नज़रें रखे हुए है। इससे पहले जेल में इसी तरह कांग्रेस नेता पी चिदंबरम पर भी पूरी नज़र रखी गयी थी और उनके जेल में आने वाले खाने की भी खूब चर्चा रही थी । ये मेहरबानियां भी किसी किसी खुशनसीब के हिस्से में ही आती हैं और केजरीवाल के नाम यह कीर्तिमान भी तो बना दिया कि स्वतंत्र भारत के केजरीवाल ऐसे पहले मुख्यमंत्री हैं, जो पद पर रहते जेल गये । छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन यह कीर्तिमान बनाते बनते रह गये थे । उन्होंने गिरफ्तार होने से पहले ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था । कीर्तिमान भी किसी किसी के बनने हैं । पर ईडी का केजरीवाल के खाने पर निगाह रखना यह बहुत चौंकाने वाली बात है ! वैसे तो ईडी खाये गये पैसे के आरोप से लेकर खाने तक नज़र रख रही है ! अब तो आरोप नहीं, ईडी का कहना है कि केजरीवाल ही मास्टरमाइंड थे और इसी कारण जेल मैं हैं ! चलिए, हम केजरीवाल की सेहत की दुआ करते हैं और ईडी को भी सन्मति देने की दुआ करते हैं ! कुछ तो मनचाहा खा लेने दो !

प्रचण्ड समय

सबको सन्मति और सेहत दे भगवान् !

-पूर्व उपाध्यक्ष, हरियाणा ग्रंथ अकादमी।

9416047075

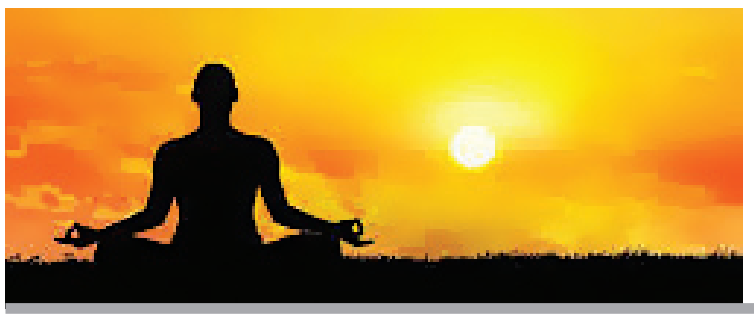

सनातन

prachandsamay.com

प्रचण्ड समय

शिमला, रविवार, 21 अप्रैल, 2024

5

ससुराल में बेटी हमेशा रहेगी खुशहाल, अगर विदाई के समय अपनाएंगे ये आसान उपाय

हर माता पिता को बेटी की शादी के बाद यही चिंता सताती है कि शादी के बाद क्या उनकी बेटी ससुराल में खुश रहेगी, अपनी जगह बना पाएगी, सबका दिल जीत पाएगी या नहीं, जो सुख और संपन्नता उसे मायके में मिली है शादी के बाद क्या बेटी का वैवाहिक जीवन खुशहात रहेगा या नहीं? इन सब बातों को लेकर माता-पिता चिंतित रहते हैं। अगर आप चाहते हैं कि आपकी बेटी का वैवाहिक जीवन खुशी से बीते, तो उसके लिए यहां कुछ उपाय बताए गए हैं जिन्हें आप बेटी की विदाई के समय अपना सकते हैं। अगर आप इन उपायों को अपना लेंगे तो आपकी बेटी भी हमेशा ससुराल में राज करेगी।

विदाई के समय करें ये उपाय

बेटी को विदा करते समय उसके पल्लू में सात हल्दी की गांठ बांध दें। फिर बेटी से कहें कि ससुराल पहुंचने के बाद बेटी उस हल्दी को पीले कपड़े में बांधकर अपनी अलमारी में रख दें। ऐसा करने से ससुराल में बेटी को खूब प्यार मिलने लगता है।

विदाई से पहले मां अपनी सिंदूर की डिब्बी में से अपनी बेटी की छोटी सी मांग भर दे। ऐसा करने से बेटी को उसके पति की तरफ से कोई परेशानी नहीं होगी और उसका पति हमेशा उसकी हर बात मानेगा।

खुशहाल बीतेगा वैवाहिक जीवन

शादी में विदाई के समय बेटी को एक नारियल भेंट करें। इस नारियल बेटी अपने ससुराल के पूजा घर में सात दिन के लिए रखें। सात दिन बाद इस नारियल को बेटी के हाथों से बहते पानी में प्रवाहित करवा दें।

विदाई के समय बेटी को तांबे की चार कीलें दे। इन कीलों को बेटी अपने कमरे में बेड के चारों पायों में लगा दे। इस उपाय को करने से बेटी का वैवाहिक जीवन खुशहाल बीतेगा और ससुराल में हर कोई उसकी बात मानने लगेगा।

ससुराल में नहीं होगी कोई परेशानी

बेट को विदा करने से पहले एक लोटे में जल भरकर उसमें हल्दी और एक तांबे का सिक्का डाल दें। इस जल से भरे लोटे को बेटी के सिर के ऊपर से 7 बार घुमाएं और फिर इस लोटे को बेटी के हाथ में रख दें। जब बेटी विदा हो जाए तो इस लोटे के जल को पीपल के पेड़ पर चढ़ा दें। ऐसा करने से बेटी को ससुराल में किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

बेटी की शादी से एक दिन पहले उसके हाथों से तीन मेंहदी के पैकेट का दान करवाएं। मेहंदी के पैकेट में से एक पैकेट काली मां के मंदिर में चढ़ा दें। मेहंदी का दूसरा पैकेट किसी सुहागिन को दान कर दें और तीसरे पैकेट में से किसी सुहागिन महिला को मेहंदी लगा दें और फिर उस पैकेट से ही बेटी के हाथ में भी मेहंदी लगवा दें। ऐसा करने से बेटी को शादी के बाद किसी भी तरह की दिक्कत नहीं होगी।

रात में पेड़-पौधों के पत्ते क्यों नहीं तोड़ने चाहिए, जानें इसके पीछे का धार्मिक और वैज्ञानिक कारण

हिंदू धर्म और वास्तु शास्त्र में पेड़ पौधों का महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है। हिंदू धर्म और वास्तु शास्त्र दोनों के ही अनुसार दिन ढलने के बाद या रात में पेड़-पौधों की पत्तियों और फूलों को तोड़ना, और उनको छूना वर्जित माना गया है। ये परंपरा सदियों से चली आ रही है, जिसका आज भी बहुत से लोग पालन करते हैं। इस धारणा के पीछे कुछ धार्मिक कारण भी हैं और विज्ञान भी इस बात को सही मानता है कि रात के समय पेड़ पौधों को नहीं छूना चाहिए और ना ही उनकी फूल या पत्तियों को तोड़ना चाहिए। आइए जानते हैं कि पेड़-पौधों की फूल-पत्तियों को रात के समय ना तोड़ने के पीछे क्या धार्मिक और वैज्ञानिक कारण हैं।

धार्मिक कारण जानें

हिंदू धर्म में पेड़-पौधे को भी मनुष्य और पशुओं की तरह जीव मानकर उनको जीवित माना जाता है। साथ ही यह भी माना जाता है कि पेड़ पौधे भी बाकी सभी जीव की तरह सुबह को जागते हैं और शाम के बाद आराम करते हैं। जिस तरह किसी सोते हुए इंसान को बिना कारण जगाना अनुचित और पाप माना जाता है उसी तरह से माना जाता है कि पेड़ पौधे भी शाम के बाद सो जाते हैं, इसलिए शाम के बाद उनको छूना या उनके फूल और पत्तियों को तोड़ना उनको सोते हुए परेशान करना माना जाता है। इसी कारण मान्यता है कि रात में पेड़ पौधों को छूने या उनको तोड़ने से पाप लगता है।

एक दूसरा कारण यह भी है कि पेड़ पौधों पर बहुत से छोटे छोटे पशु पक्षी और कीट-पतंगों का बसेरा होता है। ये सभी दिन में अपने खाने पीने की व्यवस्था के लिए निकल जाते हैं और शाम को वापस थककर, आराम और सोने के लिए पेड़ पौधों पर बने अपने बसेरों में जा जाते हैं। ऐसे में रात के समय पेड़ पौधों को छूने या जोर से हिलाने पर या उनकी फूल पत्तियों को तोड़ने से इन सभी की नींद में भंग पड़ता है और ये सभी परेशान हो जाते हैं, इसलिए भी पेड़ पौधों को रात के समय छूने या तोड़ने की मनाही होती है।

शाम के समय या रात के समय फूलों को नहीं तोड़ने का एक और धार्मिक कारण ये भी है कि ज्यादातर फूल सुबह के समय ही खिलते हैं और शाम होने तक या तो मुरझा जाते हैं या बासी हो जाते हैं क्योंकि पूरे दिन खिले रहने के कारण उनकी खुशबू और उनका सौन्दर्य दोनो ही लगभग समाप्त हो जाता है। ऐसे बासी और मुरझाए फूलों को अगर आप देवी देवताओं पर चढ़ाने के लिए तोड़ते हैं तो उनका पूजा में कोई महत्व नहीं रह जाता है जिससे पूजा का पूर्ण फल भी प्राप्त नहीं हो पाता है।

वैज्ञानिक कारण जानें

शाम के बाद पेड़-पौधों को छूना और उनके फूल पत्तियां तोड़ना वैज्ञानिक दृष्टि से भी गलत माना जाता है। इसके पीछे कारण है कि दिन में तो पेड़ पौधे ऑक्सीजन छोड़ते हैं लेकिन रात के समय पेड़ पौधे ऑक्सीजन के बजाए कार्बन-डाइऑक्साइड छोड़ते हैं। इसलिए रात के समय पेड़ पौधों के नीचे जाने से ऑक्सीजन की कमी महसूस हो सकती है। इसलिए ही रात के समय पेड़ पौधों के नीचे सोने को मना किया जाता है।

इन चीजों को दूसरों के साथ कभी न करें शेयर, नहीं तो घर में होगा कलह

आपने अक्सर लोगों को यह कहते सुना होगा कि शेयरिंग इज केयरिंग, बहुत हद तक यह बात सही भी है लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ चीजें ऐसी होती है जो कभी भी किसी दूसरे व्यक्ति की इस्तेमाल नहीं करनी चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार ऐसा करने से माना जाता है कि व्यक्ति के जीवन में कलह के साथ और भी बहुत सी परेशानियां भी आ जाती हैं।

घड़ी

वास्तु शास्त्र के अनुसार, हमें कभी किसी की घड़ी मांग कर नहीं पहननी चाहिए। माना जाता है कि घड़ी का काम सिर्फ समय बताना ही नहीं बल्कि वह व्यक्ति के जीवन का अच्छा बुरा हर तरह के समय की साथी होती है। ऐसे में अगर किसी का बुरा वक्त चल रहा हो और आप उससे घड़ी मांग कर पहन लें तो इसका प्रभाव आपके जीवन पर भी पड़ सकता है।

अंगूठी

वास्तु शास्त्र के अनुसार, दूसरों की अंगूठी अपनी उंगली में नहीं पहननी चाहिए। असल में अंगूठी हो या रत्न-धातु, वह किसी न किसी ग्रह या राशि से संबंधित होते हैं। इसलिए अगर आप दूसरों की अंगूठी या रत्न धारण करते हैं तो उसका विपरीत असर आपके जीवन पर भी पड़ सकता है।

कपड़े

परिवार और दोस्तों में अक्सर लोग जरुरत के हिसाब से कपड़े एक्सचेंज करके पहन लेते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार हमें ऐसा नहीं करना चाहिए। इसकी वजह ये है कि कपड़ों की अदला-बदली से उस व्यक्ति का दुर्भाग्य भी खुद पर हावी हो सकता है।

जूते चप्पल

हमें दूसरों से जूते चप्पल भी मांग कर नहीं पहनने चाहिए वास्तु शास्त्र के अनुसार ऐसा करना अशुभ माना गया है। शास्त्रों के अनुसार शनि का वास मनुष्य के पैरों में होता है। ऐसे में अगर हम दूसरों के जूते-चप्पल पहनते हैं तो शनि का प्रकोप हमारे ऊपर चढ़ सकता है। ऐसा करने से घर में दरिद्रता और कलह होता है।

पेन या कलम

अक्सर हम किसी ऑफिस या बैंक में किसी से पेन मांगते है और उसे लौटाना भूल जाते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार यह भी बहुत ही गलत कार्य माना गया है। वास्तु शास्त्र के अनुसार यह माना जाता है कि किसी के पेन या कलम के साथ उसकी किस्मत जुड़ी होती है। ऐसे में अगर उस व्यक्ति के जीवन में खराब दौर चल रहा हो तो आप अनजाने में उसका पैन लेकर अपने ऊपर उसकी परेशानियां ले लेता है। ऐसे में अगर आपको कभी दूसरे का पैन लेना भी पड़ जाए तो उसे जरूर लौटा दें।

न्यूज ब्रीफ..

सिरमौर जिला में प्रथम चुनावी पूर्वाभ्यास 25-27 अप्रैल तक -सुमित खिमटा

प्रचण्ड समय

नाहन . शिमला संसदीय क्षेत्र के तहत एक जून को होने वाले मतदान के दृष्टिगत सिरमौर जिला में नियुक्त पीठासीन अधिकारियों, सहायक पीठासीन अधिकारियों तथा मतदान अधिकारियों का प्रथम पूर्वाभ्यास कार्यक्रम 25 अप्रैल से 27 अप्रैल 2024 तक निर्धारित किया गया है। इन प्रथम पूर्वाभ्यास कार्यक्रमों में सिरमौर जिला के 589 मतदान केंद्रों में चुनावी डियूटी में तैनात होने वाले पीठासीन अधिकारियों, सहायक पीठासीन अधिकारियों तथा मतदान अधिकारियों को मतदान प्रक्रिया के सुचारू संचालन के सम्बन्ध में प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त सिरमौर सुमित खिमटा ने यह जानकारी देते हुये बताया कि भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप मतदान हेतु पीठासीन अधिकारियों तथा अन्य अधिकारियों का पूर्वाभ्यास कार्यक्रम निर्धारित किया गया है।

रेणुका जी क्षेत्र का पूर्वाभ्यास 24 और 25 अप्रैल को

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि श्री रेणुका निर्वाचन क्षेत्र के अधीन प्रथम पूर्वाभ्यास कार्यक्रम 24 अप्रैल और 25 अप्रैल 2024 को राजकीय महाविद्यालय संगड़ाह में आयोजित किया जायेगा जिसमें पीठासीन अधिकारियों, सहायक पीठासीन अधिकारियों तथा मतदान अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।

नाहन विधानसभा क्षेत्र का पूर्वाभ्यास कार्यक्रम 25 और 26 अप्रैल निर्धारित

सुमित खिमटा ने बताया कि नाहन विधानसभा क्षेत्र का प्रथम पूर्वाभ्यास कार्यक्रम 25 अप्रैल 2024 को डा. यशवंत सिंह परमार स्नातकोत्तर महाविद्यालय नाहन में रखा गया है जिसमें पीठासीन अधिकारियों (पीआरओ) और सहायक पीठासीन अधिकारियों (एपीआरओ) को प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। इसी स्थान पर 26 अप्रैल को आयोजित होने वाले पूर्वाभ्यास कार्यक्रम में मतदान अधिकारियों (पीओ) को प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।

पच्छाद क्षेत्र का पूर्वाभ्यास 26-27 अप्रैल को

सुमित खिमटा ने बताया कि पच्छाद निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत पीठासीन अधिकारियों एवं सहायक पीठासीन अधिकारियों का प्रथम पूर्वाभ्यास कार्यक्रम 26 अप्रैल को राजकीय छात्र वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सरांहा में आयोजित किया जायेगा। इसी स्थान पर मतदान अधिकारियों को 27 अप्रैल को पूर्वाभ्यास करवाया जायेगा।

26 और 27 अप्रैल को पांवटा साहिब क्षेत्र में होगा पूर्वाभ्यास कार्यक्रम

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पांवटा साहिब विधानसभा क्षेत्र के तहत 26 अप्रैल को राजकीय महाविद्यालय पांवटा साहिब में दो सत्रों में पूर्वाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे पीठासीन अधिकारियों, सहायक पीठासीन अधिकारियों तथा 27 अप्रैल को इसी स्थान पर मतदान अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।

शिलाई में 25 और 26 अप्रैल को आयोजित होगा पूर्वाभ्यास कार्यक्रम

शिलाई विधानसभा क्षेत्र के तहत 25 अप्रैल को राजकीय महाविद्यालय शिलाई में प्रथम पूर्वाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा जिसमें पीठासीन अधिकारियों और इसी स्थान पर 26 अप्रैल को मतदान अधिकारियों को पूर्वाभ्यास प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिला के पांचों विधानसभा क्षेत्रों में सम्बन्धित सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं एस.डी.एम. तथा अन्य निर्वाचन अधिकारियों की अध्यक्षता में पूर्वाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

मंडियों में धीमी खरीद और उठान के कारण बर्बाद हो रही किसान की फसल_हुड्डा

प्रचण्ड समय

राजेंद्र सिंह जादौन, चंडीगढ़ . हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बारिश के चलते मंडियों में फैली अव्यवस्था पर शनिवार को कहा कि बीजेपी सरकार की अनदेखी ने एकबार फिर किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। बार-बार मांग के बावजूद सरकार ने मंडियों में सुचारू खरीद की और ना ही बारिश से फसल को बचाने के लिए तिरपाल व बारदाने की व्यवस्था की। किसान कई-कई दिनों से अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं और सरकार पोर्टल का झुंझुना बजा रही है। उन्होंने कहा कि मंडियों में नियमित खरीद व उठान की कोई व्यवस्था नहीं हुई। उठान नहीं होने के चलते किसानों को भुगतान भी नहीं हो रहा है। 72 घंटे के भीतर भुगतान का दावा करने वाली सरकार की हकीकत एकबार फिर उजागर हो गई है। मंडी में काम करने वाले कारोबारियों ने बताया कि गेहूं उठान का टेंडर सिस्टम लगभग फेल हो चुका है। जिन ट्रांसपोर्टर्स को टेंडर दिया गया है, उनके पास पर्याप्त मात्रा में गाड़ियां ही नहीं है। इसलिए आढ़तियों को फसल उठवाने के लिए मजबूरी में टांसपोर्टर्स को नजराना यानी रिश्वत देनी पड़ रही है। किसान और आढ़ती ही नहीं, सरकार ने मजदूरी की दरों में भारी कटौती करके, मजदूरों को भी बड़ी मार दी है। हुड्डा ने कहा कि मौसम विभाग द्वारा पहले से दी गई चेतावनी के बावजूद सरकार आंखें बंद करके सोती रही। उठान नहीं होने के चलते मंडियां अनाज से अटी पड़ी हैं। मजबूरी में किसानों को अपना गेहूं सड़कों पर डालना पड़ रहा है। इसलिए 6 महीने की दिनरात मेहनत से तैयार की गई किसान की फसल खुले आसेमान के नीचे पड़ी है और बार-बार भीग रही है। भारी मात्रा में गेहूं पानी के साथ बह गया है। किसान को हुए नुकसान के लिए सीधे तौर पर बीजेपी सरकार जिम्मेदार है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भुगतान में देरी के चलते किसानों को ब्याज देने की मांग उठाई है। उन्होंने दोहराया है कि सरकार पोर्टल का झंझट खत्म करके जल्द उठान और भुगतान करे ताकि किसान अगले सीजन की तैयारी कर सकें। साथ ही वर्षा की वजह से जिन किसानों को नुकसान हुआ है, उनकी भरपाई सरकार द्वारा की जानी चाहिए। किसानों की परेशानी कम करने के लिए नमी में छूट की सीमा को भी बढ़ाना चाहिए।

प्रदेश भर में बारिश-तूफान ने मचाई तबाही

प्रचण्ड समय . शिमला

पाकिस्तान के ऊपर मंडरा रहे पश्चिमी विक्षोभ ने हिमाचल में बेमौसम बारिश कर दी है। पश्चिमी विक्षोभ का यह असर हिमालयी क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है। पाकिस्तान में समुद्र तल से 3.1 किलोमीटर ऊपर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है। शुक्रवार को प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बारिश दर्ज की गई है। बारिश का ज्यादा असर मैदानी इलाकों में देखने को मिला है। बारिश से किसानों की गेहूं की फसल प्रभावित हुई है। खासतौर पर बिलासपुर, सुंदरनगर, ऊना और कांगड़ा के सीमावर्ती क्षेत्रों में तेज गर्जना के साथ हुई बारिश ने फसल पर अपना प्रभाव छोड़ा है। मनाली और गगरेट में पेड़ गिरने से गाडिय़ां क्षतिग्रस्त हुई हैं।

मनाली में दस गाडिय़ां क्षतिग्रस्त हुई हैं। इस दौरान एक व्यक्ति को भी चोटें आई हैं। गगरेट में तीन गाडिय़ों को नुकसान पहुंचा है। शिमला में ओलावृष्टि से सेब के बागीचों को नुकसान पहुंचा है। मौसम विभाग ने आगामी 48 घंटे के लिए मंडी, कांगड़ा, सोलन, सिरमौर, कुल्लू और ऊना में ओलावृष्टि की संभावना जताई है। शुक्रवार को सबसे ज्यादा बारिश घागस में दर्ज की गई है। यहां 19 मिलीमीटर, जबकि सुंदरनगर में 16.6 मिलीमीटर, भरमौर में 13 मिलीमीटर, बर्थथन में 8.2, बिलासपुर में 8 मिलीमीटर, जोत में 7.6 मिलीमीटर, डलहौजी में 6 मिलीमीटर और कसौली में चार मिलीमीटर बारिश हुई है। विभाग ने 24 अप्रैल तक मौसम के खराब रहने की संभावना जताई है। बारिश से ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तापमान में गिरावट भी देखने को मिली है। शिमला, मनाली, किन्नौर और लाहुल-स्पीति के अधिकांश हिस्सों में तापमान तेजी से गिरा है।

आसमानी बिजली से तीन गोशालाएं राख

नगरोटा बगवां की ग्राम पंचायत कलेड में गुरुवार रात आसमानी बिजली गिरने से तीन गोशालाएं जलकर राख हो गई।

आग लगने के समय गोशालाओं में मवेशी मौजूद थे, लेकिन गांववासियों के सहयोग से उन्हें सुरक्षित निकाल लिया गया। इस बारे में हलका पटवारी को भी सूचित कर दिया गया है।

आईपीएल मैचः धर्मशाला में खिलाड़ियों और दर्शकों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

प्रचण्ड समय . धर्मशाला

धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में पांच तथा नौ मई को प्रस्तावित आईपीएल क्रिकेट मैच के प्रबंधों को लेकर जिला प्रशासन तथा एचपीसीए के अधिकारियों के बीच शनिवार को क्रिकेट स्टेडियम में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त हेमराज बैरवा ने बताया कि पांच मई को पंजाब किंग्स बनाम चेन्नई सुपर किंग्स तथा नौ मई को पंजाब किंग्स बनाम रॉयल चैलेंजर बेंगलुरू के बीच आईपीएल टी-ट्वंटी मैच प्रस्तावित है। उन्होंने मैच के दौरान खिलाड़ियों तथा दर्शकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए पुख्ता कदम उठाने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने आयोजन के संदर्भ में कानून, यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं, विद्युत एवं पेयजल आपूर्ति, सड़कों की मुरम्मत, शहर की साफ-सफाई तथा अग्निशमन सेवाओं इत्यादि सहित अन्य संबंधित तैयारियों का जायजा लिया और इस बारे आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

उन्होंने संबंधित विभागों को मैच के आयोजन से जुड़ी सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने पुलिस विभाग को आईपीएल मैच के दौरान कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को धर्मशाला के आस-पास के क्षेत्र में मुरम्मत योग्य सड़कों का कार्य शीघ्र पूरा करने को कहा।

उन्होंने कहा कि आयोजन से पहले धर्मशाला तथा इसके आसपास के क्षेत्रों की सड़कें तथा लाइट व्यवस्था चकाचक होगी। पेयजल, पार्किंग की बेहतर व्यवस्था के लिए भी प्लान तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि मैच के आयोजन के दौरान वाहनों की पार्किंग के लिए निर्धारित स्थलों की नम्बरिंग करके दिशा सूचक बोर्ड लगाए जाएंगे। उन्होंने लोगों की सुविधा के लिए निकासी गेटों से पार्किंग स्थलों तक दिशा सूचक बोर्ड लगाने के निर्देश दिए।

उन्होंने अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को स्टेडियम में अग्नि संबंधी आपातकालीन प्रबंधों का निरीक्षण करने तथा आवश्यक अग्निशमन सेवाएं सुनिश्चित बनाने के निर्देश दिए। बैठक में एडीसी सौरभ जस्सल, एडीएम डा हरीश गज्जू, एएसपी हितेश लखनपाल तथा एचपीसीए के एचपीसीए प्रबंधकों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

गरीबी हटाओ का नारा देने वाले फेल हुए,मोदी ने गरीब को सशक्त बनायाःरचना शर्मा

प्रचण्ड समय . शिमला

हिमाचल प्रदेश भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा की सोशल मीडिया से संयोजक व शिमला नगर निगम की पार्षद रचना शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दी हुई गारंटी पर देश को भरोसा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 9 वर्षों में हर वर्ग के कल्याण के लिए काम हुआ है। उन्होंने कहा कि गरीबी हटाओ का नारा देने वाले केवल वोट लेते रहे ,लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मकान, शौचालय, गैस ,कनेक्शन, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य देने का काम किया है ,जिससे करोड़ों लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया गया है। उन्होंने कहा कि किसान व बागवान को प्राथमिकता पर रखा गया, किसान सम्मान निधि दी गई ,तकनीक को उन्नत किया गया, रिसर्च को बढ़ाया गया ।रचना शर्मा ने कहा कि किसान व बागवान के उत्थान के लिए जिस प्रकार से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने काम किया है ऐसा काम 60 वर्षों में नहीं हो पाया ।रचना शर्मा ने कहा कि हिमाचल किसान व बागवान का प्रदेश है, आर्थिकी में योगदान किसान व बागबान देते हैं इस वर्ग का अहम योगदान इन चूनावों में रहेंगा। एक मुश्त वोट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर भारतीय जनता पार्टी को पड़ेगा क्योंकि किसान व बागवान को भी मोदी की गारंटी पर विश्वास है, उस गारंटी पर वोट से मोहर किसान व बागबान लगाएंगे। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार के समय किसान व बागवान के लिए बेहतरीन निर्णय हुए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार तो किसान व बागवान को केवल छलावे दे रही है ,उनकी समस्याओं का समाधान नहीं कर पा रही है इसलिए किसान बागवान का मोह कांग्रेस की सरकार से भंग भी हो चुका है।

रचना शर्मा ने कहा कि भाजपा के संकल्प पत्र में आने वाले पांच साल में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की गारंटी दी गई है। अगले पांच साल तक मुफ्त राशन, पानी, गैस कनेक्शन और पीएम सूर्यघर से जीरो बिजली बिल आयेंगे जबकि आयुष्मान भारत योजना से पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज सुविधा जारी रहेगी। मध्यम वर्ग परिवारों के लिए पक्के घर और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होगा। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी लागू होगी, युवाओं के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर, इन्वेस्टमेंट, मैन्युफैक्चरिंग, हाई वैल्यू सर्विसेज, स्टार्टअप और टूरिज्म और खेल के जरिये लाखों रोजगार के अवसर मिलेंगे।रचना शर्मा ने कहा कि यही नहीं नारी तू नारायणी के तहत आगे 3 करोड़ लखपति दीदी बनाएंगे। महिला सेल्फ हेल्प ग्रुप को सर्विस सेक्टर से जोड़कर नए रोजगार के अवसर देने का प्रण लिया गया है। रचना शर्मा ने कहा कि महिलाओं के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू कर अब 33 प्रतिशत आरक्षण संसद और विधानसभा में भी होगा। उन्होंने कहा कि देश को जो गारंटी संकल्प पत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भारतीय जनता पार्टी ने दी है उस पर जनता का जनमत होगा भाजपा 400 के पार होगी।

रेणुका जी क्षेत्र में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में महिलायें निभा रही हैं सक्रिय भूमिका

प्रचण्ड समय . नाहन

श्री रेणुका जी विधानसभा क्षेत्र में स्वीप गतिविधियों के तहत चलाये जा रहे मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में महिलायें बढ़चढ़ कर उत्साहपूर्वक हिस्सा ले रही हैं। इन कार्यक्रमों में स्वयं सहायता समूहों, आगंनवाड़ी केन्द्रों, आशा वर्ककरों, महिला मंडलों तथा पंचायत प्रतिनिधियों के रूप में महिलायें उत्साहपूर्वक भाग ले रही हैं।

श्री रेणुका जी क्षेत्र में स्वीप की नोडल अधिकारी प्रो. पूनम शर्मा ने यह जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि रेणुका जी क्षेत्र में महिलायें जागरूकता अभियान का मुख्य हिस्सा बन कर कार्य कर रही हैं।

मतदाता जारूगता अभियान के अन्तर्गत आज शनिवार को रेणुका जी के रणफुआ-जबड़ोग और अंधेरी पंचायतों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गये। इससे पूर्व शुक्रवार को ग्राम पंचायत सताहन और सांगना में मतदाता जागरूक कार्यक्रम आयोजित हुये।

नोडल अधिकारी प्रो. पूनम शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि लोकतंत्रत के इस महापर्व में जागरूकता अभियान में महिलाओं

का बहुत ही सराहनीय योगदान मिल रहा है। उन्होंने कहा कि महिलायें परिवार और समाज का आधार हैं और हमें विश्वास है कि जागरूकता कार्यक्रमों में आने वाली सभी महिलायें अपने परिवार, समाज और क्षेत्र में मतदाताओं को जागरूक करेंगी।

उन्होंने कहा कि रेणुका जी क्षेत्र में गत मार्च से लगातार मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में जहां मतदाताओं को अधिक से अधिक संख्या में मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है वहीं पर पात्र नव मतदाताओं और छूटे हुए पात्र लोगों को अपने नाम मतदाता सूची में नामांकन से 10 दिन पूर्व तक दर्ज कराने के लिए भी कहा जा रहा है।

प्रो. पूनम शर्मा ने कहा कि जिला निर्वाचन अधिकारी सिरमौर सुमित खिमटा और सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं एसडीएम संगडाह सुनील कुमार कायथ के मार्गदर्शन और स्वीप जिला नोडल अधिकारी अभिषेक मित्तल की देखरेख में रेणुका जी क्षेत्र में स्वीप गतिबिढ़िया अत्यंत प्रभावी ढंग से कार्य कर रही हैं।

सहायक नोडल अधिकारी एवं खंड समन्वयक मीरा देवी ने इस अवसर पर बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा गत लोकसभा चुनाव में 60 प्रतिशत से कम मतदान केन्द्र वाले मतदान केन्द्रों में सिरमौर जिला में कुल 24 मतदान केन्द्र चिन्हित किये गये हैं जिनमें से 11 मतदान केन्द्र रेणुका जी विधानसभा क्षेत्र में पड़ते हैं।

उन्होंने कहा कि मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत इन सभी 11 मतदान केन्द्रों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए भी सघनता के साथ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

उन्होने कहा कि जागरूकता कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के लोगों को मतदान की शपथ दिलाई गई, सेल्फी प्वाइंट में फोटो खिंचवाने के अलावा सिग्नेचर कैंपेन भी आयोजित किया गया।

विभिन्न स्वंय सहायता समूहों की महिलायें, आशा वर्कर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत प्रतिनिधि व महिला मंडल की सदस्य भी प्रमुखता से इस अवसर पर उपस्थित रहे।

धर्मशाला में भूकंपरोधी भवन निर्माण के दिए टिप्स

प्रचण्ड समय . धर्मशाला

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, कांगड़ा द्वारा भूकम्प रोधी निर्माण तथा रेट्रोफिटिंग के ऊपर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी डॉ हरीश गज्जू ने कहा कि भूकंप से नुक्सान को कम करने के लिए ईमारतों की रेट्रोफिटिंग जरूरी है तथा इसी दिशा में प्रारंभिक तौर पर विद्यालयों तथा अस्पतालों की इमारतों को आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से रेट्रोफिटिंग का प्रयास आरंभ किया गया है। उन्होने बताया कि अभी तक 10 ईमारतों की रेट्रोफिटिंग के लिए राज्य आपदा प्रबन्धन ने पैसे जारी किए हैं। इन 10 ईमारतों में अस्पताल और स्कूल शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि दूसरे चरण के लिए 30 ईमारतों का चयन किया गया है। कार्यक्रम में हमीरपुर से डॉ हेमन्त विनायक ने स्रोत व्यक्ति के रूप में हिस्सा लिया। डॉ हेमन्त विनायक ने निर्माण कार्यों के में आने वाली विभिन्न कमियों के बारे में बताया।

33वीं पुरूष वर्ग राज्य स्तरीय आईटीआई खेलकूद प्रतियोगिता नाहन में संपन्न

प्रचण्ड समय . नाहन

33वीं राज्य स्तरीय पुरूष आईटीआई खेलकूद प्रतियोगिता आज नाहन स्थित आईटीआई परिसर में संपन्न हुई।इस प्रतियोगिता में प्रदेश के 12 जिलों के करीब 400 विद्यार्थियों ने खो-खो, बॉलीबाल, बास्किट बाल, बैड मिंडन और कबडडी आदि प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।

उपायुक्त सिरमौर सुमित खिमटा ने खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ ही खेलकूद प्रतियोगितायें भी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन वास करता है।

सुमित खिमटा ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ ही खेलकूद प्रतियोगिताओं में बढ़ चढ़ कर भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं और युवाओं को अपनी उर्जा राष्ट्र निर्माण में लगानी चाहिए।

लोकतंत्र के महापर्व में युवाओं की अहम भूमिका

सुमित खिमटा ने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व यानि लोकसभा चुनाव में युवाओं की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि समाज के हर व्यक्ति का दायित्व है कि वह चुनाव में मतदान करें और अपने आपको लोकतांत्रिक प्रणाली का हिस्सा बनाये रखें।

उन्होंने कहा कि युवाओं को इन चुनावों में बढ़-चढ़ कर भाग लेना चाहिए ताकि देश में मजबूत सरकार का गठन हो सके।

उन्होंने युवाओं का आहवान किया कि सभी युवा अपने-अपने क्षेत्रों में स्थानीय लोगों को एक जून को होने वाले मतदान के लिए अवश्य ही प्रेरित करें।

खो-खो में आईटीआई मंडी ने ऊना को पराजित किया

33वीं राज्य स्तरीय आईटीआई पुरूष खेलकूद प्रतियोगिता के खो-खो के मुकाबले में आईटीआई मंडी ने आईटीआई ऊना को 15-5 से पराजित कर खिताब हासिल किया।

बॉलीबॉल प्रतियोगिता में आईटीआइ चंबा ने आईटीआई मंडी को 3-2 सेट हराया। बैडमिंटन के मुकाबले में आईटीआइ ऊना ने आईटीआई सिरमौर को 2-0 से पराजित किया।

कबडडी के मुकाबले में आईटीआई सोलन ने आईटीआई शिमला को गोल्डन स्कोर में एक प्वाइंट से पराजित किया। इसी प्रकार बास्किटबॉल में आईटीआई हमीरपुर ने आईटीआई मंडी को 39-35 से हराया।

आईटीआई नाहन के प्रधानाचार्य अशरल अली ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि उपायुक्त सिरमौर को शॉल-टोपी और भगवान परशुराम की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया।

प्रधानाचार्य अशरल अली ने इस अवसर पर प्रतियोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी और विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

क्या बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल भी कर सकता है लिवर खराब? एक्सपर्ट्स से जानें

भारत में लिवर की बीमारियों का दायरा हर साल बढ़ रहा है। कम उम्र में ही लोगों का लिवर खराब हो रहा है। लिवर में खराबी का कारण डॉक्टर खराब खानपान और बिगड़े हुए लाइफस्टाइल को बताते हैं। खानपान खराब होने का असर लिवर और हार्ट दोनों पर ही पड़ता है। अगर खानपान सही नहीं है तो शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल का लेवल भी बढ़ जाता है, लेकिन क्या कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का असर भी लिवर पर होता है? आइए एक्सपर्ट्स से जानते हैं।

डॉक्टरों के मुताबिक, हाल के कई अध्ययनों से ये पता चला है कि भारत में 40 से 50% लोग फैटी लिवर की बीमारी से जूझ रहे है। यह डिजीज उन लोगों में ज़्यादा पाई जाती है, जो मोटापे का शिकार हैं, जिन्हें डायबिटीज़ है और जिनका खानपान सही नहीं है। कोलेस्ट्रॉल और लिवर डिजीज का भी डॉक्टर गहरा संबंध बताते हैं।

क्या कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से लिवर होता है खराब?

फोर्टिस हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एंड हेपेटोलॉजी डिपार्टमेंट के कंसल्टेंट, डॉक्टर अपूर्व पांडे ने बताया कि अगर किसी व्यक्ति का बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है और ये समस्या लगातार बनी हुई है तो इससे लिवर खराब होने का रिस्क रहता है। इससे फैटी लिवर की समस्या हो जाती है, जो बाद में लिवर सिरोसिस और लिवर फेल तक का कारण भी बन सकती है। फैटी लिवर की बात करें तो इस समस्या का अल्ट्रासाउंड में ही पता चल जाता है। लेकिन अगर इसे नज़रअंदाज़ किया जाए, तो ये जानलेवा भी हो सकता है। ऐसे में अगर आपका कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है और ये लक्षण भी दिख रहे हैं तो इनको नजरअंदाज न करें।

थकान

अगर आराम के बाद भी थकान लगे, तो ये फैटी लिवर का इशारा हो सकता है।

वजन घटना

अगर आपका वज़न अचानक से घटने लगे तो लिवर की जांच करवाना ज़रूरी है।

पेट में तकलीफ़

पेट के ऊपरी हिस्से में दाईं तरफ हल्का-हल्का दर्द या तकलीफ़, फैटी लिवर का संकेत हो सकता है।

कमज़ोरी

अगर किसी और वजह से कमज़ोरी महसूस हो रही हो, तो ये लिवर से जुड़ी समस्याओं की वजह से हो सकता है।

लिवर एंजाइम्स बढ़ना

ब्लड टेस्ट में अगर लिवर एंजाइम्स का स्तर बढ़ा हुआ दिखे तो ये लिवर में खराबी का संकेत है।

कोलेस्ट्रॉल की जांच कराएं

दिल्ली में वरिष्ठ फिजिशियन डॉ अजय कुमार बताते हैं कि हर व्यक्ति को तीन महीने में एक बाद अपनी लिपिड प्रोफाइल जांच भी करानी चाहिए। इससे शरीर में कोलेस्ट्रॉल का लेवल पता चल जाता है। अगर कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है तो फिर इसको कंट्रोल करें और लिवर की जांच भी कराएं। इसके लिए लिवर फंक्शन टेस्ट और लिवर का अल्ट्रासाउंड करा लें।

बूथ कैप्चरिंग नहीं, एकतरफा वोटिंग... चुनावी अखाड़े में मुख्तार अंसारी के खौफ के किस्से, जो कभी नहीं हारा

देश में लोकतंत्र का महोत्सव चरम पर पहुंच चुका है, पर इस बार चुनाव प्रचार में बाहुबलियों और गैंगस्टर की धमक नहीं सुनाई पड़ रही है। खासकर उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में गैंगस्टर के आरोपितों की दबंगई इस बार नजर नहीं आ रही है। पहले चरण के लिए पश्चिमी यूपी से शुरू होकर मतदान का सिलसिला आखिरी चरण में पूर्वांचल पहुंचेगा तो इस बार किसी माफिया की धौंस मतदाताओं पर नहीं होगी।

कभी पूर्वांचल में आतंक का पर्याय रहे मुख्तार अंसारी की ओर से इस बार कोई बल्क वोटिंग नहीं कराएगा। न ही ऐसा होगा कि कोई मतदान के लिए पहुंचे और पता चले कि उसका वोट पड़ गया और वह चुपचाप लौट आए। राजनीति में माफिया मुख्तार अंसारी का कुछ ऐसा ही दबदबा था। कोई उसके आदेश की मुखालफत करने की जुर्रत नहीं कर पाता था।

15 साल की उम्र में मुख्तार पर दर्ज हुआ था पहला मुकदमा

मुख्तार अंसारी पर केवल 15 साल की उम्र में 1978 में पहली बार गाजीपुर के सैयदपुर पुलिस स्टेशन में मुकदमा लिखा गया था। कारण था कॉलेज की राजनीति। तब मुख्तार के कॉलेज में राजपूतों और भूमिहारों का दबदबा था और मुख्तार ने उनसे पंगा लेना शुरू कर दिया। इसके बाद तो एक दशक के भीतर ही मुख्तार का नाम माफिया सर्किल में गूंजने लगा और साल 1986 में उसके खिलाफ मुहम्मदपुर पुलिस स्टेशन में हत्या का केस दर्ज किया गया।

फिर तो इलाके में आपराधिक वारदातों में मुख्तार का नाम आने लगा और एक दशक में 14 नए गंभीर मामले उसके खिलाफ दर्ज किए जा चुके थे। अंतिम समय तक आते-आते गाजीपुर के मुहम्मदाबाद थाने में दर्ज मुख्तार के आपराधिक इतिहास के मुताबिक, उसके खिलाफ 65 मुकदमे चल रहे थे।

कभी कोई चुनाव नहीं हारा मुख्तार

जरायम की दुनिया से होते हुए मुख्तार ने जब राजनीति में कदम रखा तो 30 सालों तक पूर्वांचल में एकछत्र राज किया। अंडरवर्ल्ड के साथ ही राजनीति में उसके खौफ और दबदबे का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि साल 1996 में मऊ सदर विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतरा तो फिर वहां से कभी कोई चुनाव नहीं हारा। दलीय हो या निर्दलीय मुख्तार के सामने कोई नहीं टिका।

एकतरफा होती थी वोटिंग, बिना हंगामा लौट जाते थे लोग

बताया जाता है कि मुख्तार के दबदबे वाले पूर्वांचल के लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों में उस दौर में भी बूथ कैप्चरिंग जैसी कोई वारदात नहीं होती थी। कुछ होता तो यह कि एक ही उम्मीदवार के पक्ष में एकतरफा वोटिंग होती थी। वोट डालने पहुंचे बहुत से लोगों को पता चलता था कि उनका वोट पड़ चुका है। इस पर कोई हंगामा नहीं करता था। न ही अपना वोट डालने की जिद करता था। कोई डर से तो कई मुख्तार के परिवार की विरासत को देखते हुए चुपचाप लौट जाता था।

पहली बार 1996 में मऊ से बना था विधायक

बताया जाता है कि मुख्तार खुद कभी किसी वारदात में शामिल नहीं होता था। वह तो सामने पड़ने पर विनम्रता की मूर्ति नजर आता था पर दहशत ऐसी कि बड़े-बड़े उसके नाम से ही खौफ खाते थे। कारण थे उसके गुर्गे। मुख्तार के नाम पर सारी वारदात को उसके गुर्गे ही अंजाम देते थे। यह मुख्तार की दहशत और दरियादिली दोनों का मिला-जुला असर ही था कि साल 1996 में मऊ विधानसभा सीट से बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ा तो 24.19 फीसदी वोट लेकर विधायक बन गया। उसके परिवार के सदस्य पहले से ही राजनीति में सक्रिय थे।

मुख्तार ने जेल में रहते हुए जीते थे तीन चुनाव

इसके बाद 2002 में निर्दलीय खड़ा हुआ तो वोटों का आंकड़ा बढ़ गया और 45.06 फीसदी वोटों के साथ विधानसभा पहुंचा। 2007 में भी इतिहास दोहराया गया और एक बार फिर थोड़ी ही सही पर वोटों में बढ़ोतरी के साथ 46.78 फीसदी वोट पाकर निर्दलीय मुख्तार विधायक बना। 2012 में अपने परिवार की पार्टी कौमी एकता दल के टिकट पर 31.24 फीसदी वोट पाकर विधानसभा पहुंचा।

2017 में फिर से बसपा के टिकट पर 24.19 फीसदी वोट पाकर विधानसभा पहुंचने में कामयाब रहा। राजनीति में मुख्तार का कद और आम लोगों में दहशत, दबदबा और दरियादिली इतनी बढ़ चुकी थी कि उसने आखिरी के तीन चुनाव जेल में रहते हुए जीते थे।

यही नहीं, मुख्तार ने राजनीति में कदम रखने के बाद पिता और बड़े भाई की इस विरासत पर भी इस तरह से कब्जा जमाया कि उनसे भी आगे निकल गया था। इस बारे में बीबीसी को दिए एक साक्षात्कार में खुद सांसद अफजाल अंसारी ने कहा था कि मुख्तार की पहचान राजनीतिक तौर पर उनसे बड़ी हो गई है। उसका अलग ही ग्लैमर है।

कृष्णानंद राय ने मोहम्मदाबाद सीट छीनी तो मुख्तार से ठन गई

एक ओर गाजीपुर से निकलकर मऊ तक अंसारी परिवार का राजनीतिक दबदबा पहुंच चुका था, दूसरी ओर परिवार की पारंपरिक मोहम्मदाबाद विधानसभा सीट साल 2002 में भाजपा के कृष्णानंद राय ने छीन ली और खुद विधायक बन गए। यह बात मुख्तार अंसारी को रास नहीं आई और दोनों के बीच दुश्मनी की दीवार खड़ी हो गई। फिर तो आए दिन दोनों ओर से गोलियां चलने लगीं। पूर्वांचल से लेकर लखनऊ तक दोनों की दुश्मनी की आंच पहुंची पहुंची और राजधानी लखनऊ में भी दोनों के बीच दिनदहाड़े गैंगवार हुआ था।

आखिरकार विधायक बनने के तीन साल बाद ही ताबड़तोड़ पांच सौ गोलियां बरसाकर गाजीपुर में ही कृष्णानंद राय की हत्या कर दी गई। इसमें छह और लोग मारे गए थे।

गाजीपुर की राजनीति में सक्रिय परिवार

मुख्तार अंसारी ने जब जरायम की दुनिया में कदम रखा था, तो उसके परिवार के सदस्य सक्रिय राजनीति में अपनी भूमिका निभा रहे थे। मुख्तार के बड़े भाई अफजाल गाजीपुर के मोहम्मदाबाद विधानसभा क्षेत्र से 1985 में ही पहली बार विधायक बने और 1996 तक लगातार पांच बार चुने गए। 1985 में पहली बार कम्युनिस्ट पार्टी के टिकट पर खड़े हुए तो 2002 में जाकर भाजपा के कृष्णानंद राय से हार हुई।

रेल राज्य मंत्री मनोज सिन्हा को दी थी मात

साल 1993, 96 और 2002 का विधानसभा चुनाव अफजाल ने सपा के टिकट पर लड़ा था। अफजाल ने सपा के ही टिकट पर 2004 में गाजीपुर से ही लोकसभा का चुनाव भी जीता। 2009 और 2014 के लोकसभा चुनाव में अफजाल को हार का मुंह देखना पड़ा। साल 2019 के आम चुनाव में अफजाल अंसारी ने सपा-बसपा गठबंधन के प्रत्याशी के रूप में बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ते हुए बड़ा उलटफेर किया और तत्कालीन रेल राज्य मंत्री मनोज सिन्हा को मात दी थी। इस बार भी सपा मुखिया अखिलेश यादव ने उन पर दांव लगाया है।

मुख्तार अंसारी के बड़े बेटे अब्बास अंसारी ने 2022 का यूपी विधानसभा चुनाव अपने पिता की सीट से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के टिकट पर जीता था और वर्तमान में भी विधायक हैं। हालांकि, नवंबर 2022 से ही वह मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में वह जेल में हैं। उन्हें ईडी ने गिरफ्तार किया था। मुख्तार अंसारी के दूसरे भाई सिबगतुल्लाह अंसारी भी 2007 और 2012 में अपने परिवार की पारंपरिक मोहम्मदाबाद सीट से विधायक बन चुके हैं।

कम्युनिस्ट पार्टी से बसपा तक का सफर

अफजाल अंसारी ने जहां अपना राजनीतिक करियर अपने पिता की ही तरह कम्युनिस्ट पार्टी से शुरू किया था, वहीं मुख्तार ने पहला चुनाव बसपा के टिकट पर लड़ा था। फिर निर्दलीय खड़े हुए। बाद में अफजाल ने अपनी ही पार्टी बना ली, नाम रखा कौमी एकता दल। 2012 का चुनाव मुख्तार ने अपने परिवार की इसी पार्टी कौमी एकता दल की ओर से लड़ा था, क्योंकि 2010 में दोनों भाइयों को बसपा से निकाल दिया गया था। हालांकि, 2017 में उन्हें फिर से बसपा में शामिल किया गया और उनकी पार्टी कौमी एकता दल का भी बसपा में विलय हो गया।

पूर्वांचल के कई जिलों में अंसारी परिवार की पकड़

एक ओर मुख्तार का पारिवारिक समृद्ध इतिहास और राजनीतिक पकड़ इतनी जबरदस्त थी कि गाजीपुर, मऊ, जौनपुर, बलिया और बनारस तक उसका प्रभाव दिखता था। महज आठ से 10 फीसदी मुस्लिम आबादी वाले गाजीपुर में अंसारी परिवार जीतता था तो उसका कारण पारिवारिक पृष्ठभूमि ही थी।

सांसद अफजाल अंसारी ने बीबीसी से कहा था कि गाजीपुर के केवल आठ फीसदी मुसलमान उन्हें नहीं जिताते। जिले के हिंदू जिताते हैं। उनके हर सुख-दुःख में हम साथ खड़े रहते हैं। यहां तक कि रोजे के दौरान मुंह पर रुमाल बांधकर हाथियों पर बैठकर यहां लोगों के साथ होली खेलते आए हैं। ये सब अपने लोग हैं। कोई भेदभाव नहीं है।

इसका अंदाजा गाजीपुर में यूसुफपुर इलाके में स्थित मुख्तार अंसारी के पैतृक निवास स्थान बड़ा फाटक या बड़े दरवाजे जाने वाले को सहज ही लग जाता है। किसी से भी पूछो वह सहजता के साथ रास्ता बताता चला जाता है। मुख्तार की मां बीमार थीं तो देश ही नहीं, दुनिया भर के अलग-अलग कोने से लोग उन्हें आखिरी बार देखने पहुंच रहे थे। इसी साल 28 मार्च को बांदा जेल में बंद मुख्तार अंसारी की दिल का दौरा पड़ने से रानी दुर्गावाती मेडिकल कॉलेज में मौत हुई तो एक बार फिर गाजीपुर में वही नजारा दिखा।

पुलिस-प्रशासन की लाख कोशिशों और धारा 144 लगाने के बावजूद पूरा गाजीपुर उमड़ पड़ा। बताया तो यहां तक जा रहा है कि मुख्तार को मिट्टी देने के लिए लाखों लोग गाजीपुर पहुंच गए।

कांग्रेस अध्यक्ष रहे दादा, नाना ने लड़ी पाक के खिलाफ लड़ाई

पूर्वांचल के सबसे पिछड़े जिलों में से एक गाजीपुर में मुख्तार अंसारी के परिवार की कभी काफी साफ-सुथरी छवि और बड़ा सम्मान था। देश की आजादी की लड़ाई में मुख्तार के दादा ने महात्मा गांधी का साथ दिया था। उन्हीं के नाम पर मुख्तार का नाम पड़ा था। उसके दादा का नाम था डॉक्टर मुख्तार अहमद अंसारी जो स्वाधीनता संग्राम के दौरान 1926-27 में कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे थे। मुख्तार के नाना वीरता की मिसाल थे और साल 1947 की लड़ाई में पाकिस्तान के छक्के छुड़ा दिए थे। अदम्य वीरता और साहस के साथ सर्वोच्च बलिदान देने वाले मुख्तार के नाना ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान को महावीर चक्र से नवाजा गया था।

मुख्तार के पिता सुभानउल्ला अंसारी स्थानीय राजनीति में सक्रिय अच्छी छवि के नेता थे। वह कम्युनिस्ट बैकग्राउंड से थे। उनके घर 30 जून 1963 को मुख्तार का जन्म हुआ तो किसी को इल्म तक नहीं था कि परिवार की अच्छी-भली छवि के साथ अब एक नई छवि भी गढ़ी जाएगी।

दीपिका ने फिर दिखाया 'लेडी सिंघम' वाला अवतार, रोहित शेट्टी ने बताया अपना हीरो

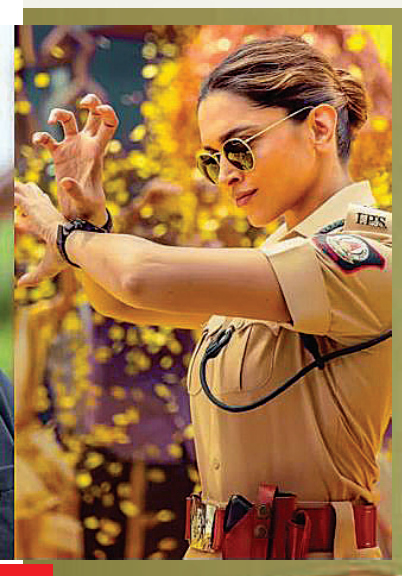

मुंबई. डायरेक्टर रोहित शेट्टी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'सिंघम अगेन' को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। ये फिल्म 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। बीते दिनों खबर आई थी कि फिल्म 'पुष्पा 2' के क्लैश के चलते इस फिल्म 'सिंघम अगेन' की रिलीज डेट पोस्टपोन कर दी गई है। हालांकि, इसको लेकर मेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया था। इसी बीच रोहित शेट्टी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण की एक तस्वीर शेयर की है। दीपिका पादुकोण का 'लेडी सिंघम' अवतार देख फैंस काफी ज्यादा एक्साइटेड हो गए हैं। रोहित शेट्टी की पोस्ट पर फैंस मांग कर रहे हैं कि जल्द से जल्द फिल्म 'सिंघम अगेन' सिनेमाघरों में रिलीज की जाए।

रोहित शेट्टी ने दिखाई दीपिका पादुकोण की धांसू झलक

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के पॉपुलर डायरेक्टर रोहित शेट्टी की फिल्म 'सिंघम अगेन' साल 2024 की मच-अवेटेड फिल्मों में से एक है। इस फिल्म में अजय देवगन, दीपिका पादुकोण, करीना कपूर, टाइगर श्रॉफ जैसे सितारे नजर आने वाले हैं। वहीं, फिल्म में अक्षय कुमार और रणवीर सिंह का कैमियो होने वाला है। रोहित शेट्टी ने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से दीपिका पादुकोण की एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में आप देख सकते हैं कि दीपिका पादुकोण पुलिस ऑफिसर की वर्दी में अजय देवगन के आइकॉनिक पोज को देते नजर आ रही हैं। रोहित शेट्टी ने इस तस्वीर के साथ लिखा है, 'मेरा हीरो, रील में भी और रियल में भी, लेडी सिंघम दीपिका पादुकोण।' दीपिका पादुकोण को लेडी सिंघम के अवतार में देखकर फैंस का फिल्म 'सिंघम अगेन' को लेकर एक्साइटमेंट डबल हो गया है।

प्रचण्ड समय

दीपिका पादुकोण की आने वाली फिल्में

दीपिका पादुकोण के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह फिल्म 'सिंघम अगेन' और फिल्म 'कल्कि 2898' एडी में काम करते नजर आएंगी। दीपिका पादुकोण पिछली बार इसी साल जनवरी में सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म 'फाइटर' में नजर आई थीं। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की थी। दीपिका पादुकोण की पर्सनल लाइफ की बात करें तो वह और उनके पति रणवीर सिंह पहले बच्चे के माता-पिता बनने वाले हैं।

आयरा खान को हुआ क्या? शादी के 4 महीने बाद लिखा, 'मैं डरी हुई हूं'

मुंबई. बॉलीवुड स्टार आमिर खान की लाडली आयरा खान ने इसी साल अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड नुपुर शिखरे के साथ धूमधाम से शादी रचाई थी। आमिर खान की बेटी आयरा खान अपनी शादी के बाद से ही सोशल मीडिया पर लगातार अपनी शादी की अनसीन तस्वीरें शेयर कर लोगों का प्यार पाती रही हैं। अब हाल ही में आयरा खान ने इंस्टाग्राम पर एक लंबी पोस्ट लिख दी। जिसके बाद लोग शॉक्ड रह गए हैं। आयरा खान ने इंस्टाग्राम में एक लंबी क्रिप्टिक पोस्ट लिखी है। जिसमें उन्होंने अपने डर को लेकर बात की। आयरा खान की ये पोस्ट देखकर लोग दंग रह गए हैं। इस पोस्ट को देखने के बाद लोगों ने कयास लगाने शुरू कर दिए कि आखिर ऐसा हुआ क्या है।

प्रचण्ड समय

आयरा खान ने पोस्ट में लिखा 'मैं डरी हुई हूं'

एंटरटेनमेंट न्यूज की दुनिया में आते ही वायरल हुई इस पोस्ट में अदाकारा आयरा खान ने अपने डर को लेकर बात की। आयरा खान ने इस पोस्ट में लिखा कि मैं डरी हुई हूं। मुझे अकेलेपन से डर लगता है। मैं हेल्पलेस होने को लेकर डरती हूं। मैं दुनिया में हर बुरी चीज से डरती हूं। मैं खो जाने से डरती हूं। मैं चोट पहुंचने से डरती हूं। मैं चुप हो जाने से डरती हूं। इसके साथ ही आयरा खान ने लिखा कि उन्हें पता है कि वो कई ऐसे लोगों के बीच में हैं। जो उन्हें प्यार करते हैं और कभी भी खोने नहीं देंगे। इसके बावजूद ये डर उनके साथ रहता है। आयरा खान की इस क्रिप्टिक पोस्ट पर उनके पति नुपुर शिखरे का भी रिएक्शन आ गया है। उन्होंने इस पर कमेंट कर लिखा, 'मैं हूं न।' इसके साथ ही उन्होंने प्यार करने वाली इमोजी भी शेयर की। जिसके बाद आयरा खान ने लिखा कि उन्हें क्या लगता है कि आखिरी स्लाइड किसे लेकर है। इस पर नुपुर शिखरे ने रिएक्ट करते हुए हार्ट वाली इमोजी पोस्ट कर दी। आयरा खान की ये पोस्ट आप यहां देख सकते हैं।

4 महीने पहले ही हुई है आयरा खान की शादी

बता दें कि आमिर खान और नुपुर शिखरे की ग्रेंड इंडियन वेडिंग इसी साल जनवरी महीने में हुई है। शादी के बाद भी आयरा खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रही हैं। आयरा खान मेंटल हेल्थ के मुद्दे को जोर-शोर से उठाती रही हैं। वो खुद भी डिप्रेशन का शिकार हो चुकी हैं। हालांकि आयरा खान की इस पोस्ट को देख लोग उन्हें ट्रोल करने लगे हैं। एक यूजर ने कमेंट कर लिखा, 'ये मेंटल हेल्थ का मुद्दा कुछ ज्यादा ही नहीं हो रहा है।'

जबकि, कई यूजर्स ने कमेंट कर पूछा है कि उनकी शादी तो अभी कुछ दिन पहले ही हुई थी। वो परेशान क्यों हैं।

सलमान खान ने दुबई में एंजॉय किया बेली डांस, भाईजान का वीडियो देख खुश हुए फैंस

प्रचण्ड समय

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान अपने घर गैलेक्सी अपार्टमेंट पर फायरिंग होने के बाद से लगातार चर्चा में बने हुए हैं। फिलहाल, सलमान खान बीते शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा के बीच दुबई पहुंचे हैं। सलमान खान को दुबई जाने से पहले मुंबई एयरपोर्ट पर देखकर उनके फैंस ने राहत की सांस ली। सलमान खान के दुबई से तमाम वीडियोज और फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। अब सलमान खान का एक वीडियो फैंस का ध्यान खींच रहा है। इस वीडियो में सलमान खान को देखकर उनके फैंस खुश हो गए हैं।

सलमान खान का वीडियो हो रहा है वायरल

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के सुपरस्टार सलमान खान को 'बीइंग स्ट्रांग फिटनेस इक्विपमेंट' को लेकर दुबई में हैं। इसी बीच पैपराजी स्नेहकुमार जाला ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से सलमान खान के कई वीडियो शेयर किए हैं। एक वीडियो में आप देख सकते हैं कि सलमान खान दुबई में एलनाज नौरोजी के बेली डांस को एंजॉय करते नजर आ रहे हैं। सलमान खान को इस तरह से देखकर उनके फैंस काफी खुश हैं। बताते चलें कि सलमान खान के घर पर 14 अप्रैल को फायरिंग की घटना के बाद से उनके फैंस काफी चिंतित थे। अब सलमान खान को नॉर्मल स्थिति में देखकर फैंस राहत की सांस ले रहे हैं।

सलमान खान ने शेयर किया वीडियो

सलमान खान ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडल से एक वीडियो शेयर किया है।

इस वीडियो में सलमान खान ने एक लड़के से मुलाकात करवाई है। सलमान खान ने इस लड़के के बारे में बात करते हुए कहा, 'मैं अभी दुबई में हूं और कल कराटे कॉम्बैट इवेंट में शामिल होने जा रहा हूं। मैं उस घटना के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा जो आपने खुद देखी है, लेकिन मैं आपके साथ एक कहानी शेयर करना चाहता हूं। मैं इस बच्चे को जानता हूं जो 2 साल की उम्र से ताइक्वांडो, जुजित्सु सीख रहा था और फिर एक दिन हमारा संपर्क टूट गया। आज ही मुझे पता चला कि कराट कॉम्बैट का प्रेसिडेंट वही लड़का है और उसका नाम आसिम है।'

स्वामी, संपादक, प्रकाशक एवं मुद्रक अश्वनी वर्मा- पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार। साई कुंज, नॉर्थ ओक, संजौली, शिमला, हिमाचल प्रदेश- 171006 से प्रकाशित और डीबी कॉर्प लिमिटेड, जीटी रोड, निकट बस स्टैंड सुभानपुर, हमीरा, जिला कपूरथला, पंजाब- 144802 द्वारा मुद्रित।